संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 112
पृष्ठ 8
शुक्रवार
09 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कैल्शियम, अनिद्रा और जोड़ों का...

विचार- पैर फैला रही पूंजीवादी व...

खेल- महिला प्रीमियर लीग का आगाज...

सीएम योगी बोले-

जमीन कब्जाने वाले भू माफियाओं का करें उपचार, आभाव में नहीं रुकेगा किसी का इलाज

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान, सरकार का संकल्प है। सीएम ने अफसरों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री ने शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए।

एनसीसी कैडेट्स से बोले आईएएफ प्रमुख

ऑपरेशन सिंदूर ने जागरूक किया, राष्ट्र निर्माण में योगदान जरूरी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा है कि श्ऑपरेशन सिंदूरश ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि जीवन सिर्फ पैसा कमाने या निजी उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में योगदान देना भी उतना ही जरूरी है। दिल्ली कैंट में आयोजित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) गणतंत्र दिवस शिविर को संबोधित करते हुए वायुसेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एनसीसी कैडेट्स की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस सैन्य कार्रवाई के समय नागरिक सुरक्षा, आपात अभ्यास और रक्तदान शिविरों में कैडेट्स का योगदान समाज के लिए प्रेरणादायक रहा। एयर चीफ मार्शल सिंह ने कैडेट्स से कहा कि चाहे वे भविष्य में सशस्त्र बलों में शामिल हों या किसी अन्य क्षेत्र को चुनें, उन्हें हमेशा देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। उन्होंने असफलताओं से निराश न होने की सलाह देते हुए अपने जीवन का उदाहरण साझा किया और कहा कि उन्होंने भी कई उतार–चढ़ाव देखे, लेकिन अंततः वायुसेना प्रमुख बनने का अवसर मिला, जो उनके मुताबिक नियति में लिखा था। वायुसेना प्रमुख ने कहा, चाहे आप वर्दी में सैनिक हों या आम नागरिक, देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना और राष्ट्र निर्माण में योगदान करना हर किसी का कर्तव्य है। वायुसेना प्रमुख ने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने लोगों में यह जागरूकता बढ़ाई कि जीवन का उद्देश्य केवल स्वयं के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए कुछ करना भी है। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर 7 मई 2025 की सुबह भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर चलाया गया था। यह कार्रवाई अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की जान गई थी। अधिकारियों के अनुसार इस दौरान बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स ने नागरिक सुरक्षा गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। इस वर्ष के एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर में देशभर से 2406 कैडेट्स, जिनमें 898 बालिकाएं शामिल हैं, भाग ले रहे हैं।

ओवैसी बोले- औरंगाबाद की जनता पतंग से जवाब देगी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (।ण्डप्ड) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए चल रहे चुनाव प्रचार के बीच पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष इम्तियाज जलील पर हुए हालिया हमले की निंदा की और कहा कि औरंगाबाद के लोग उनकी पार्टी को वोट देकर जवाब देंगे। ओवैसी ने यहां पत्रकारों से कहा कि यह कायरतापूर्ण कृत्य उन लोगों ने किया है जिन्हें अपनी हार स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। इस वार्ड और औरंगाबाद के लोग पतंग का चिन्ह दबाकर जवाब देंगे। हमने प्रशासन से इसके पीछे के लोगों का पर्दाफाश करने को कहा है। इससे पहले दिन में, ओवैसी ने छत्रपति संभाजीनगर में आजाद चौक से बुद्धि लेन तक रोड शो किया और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए स्थानीय लोगों से मुलाकात की। जलील ने कहा कि हमें रैली की अनुमति मिली हुई थी। पुलिस मौजूद थी, लेकिन 20–25 गुंडे हथियार लेकर वहाँ पहुँचे और हमारे लोगों पर हमला कर दिया। उन्होंने हमारी गाड़ियों पर हमला किया। कुछ लोग घायल हो गए। उन्हें लगा कि इस तरह की गुंडागर्दी करके हम अपनी रैलियाँ रोक देंगे। हमने रैली पूरी की। हम लोकतंत्र में मिले अधिकारों के अनुसार शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव लड़ रहे हैं। जलील ने आरोप लगाया कि हिंसा चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास था और चेतावनी दी कि अगर एफआईआर दर्ज की जाती है और कार्रवाई की जाती है तो पार्टी शांतिपूर्ण बनी रहेगी, लेकिन अगर अधिकारी कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो आगे की कार्रवाई का फैसला पार्टी खुद करेगी।

हाईकोर्ट ने एमसीडी को दी 2 महीने की टाइमलाइन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रतिष्ठित जामा मस्जिद के बाहर बढ़ते अतिक्रमण की समस्या पर कड़ा रुख अपनाया है। न्यायालय ने दिल्ली नगर निगम को दो महीने के भीतर संपूर्ण सर्वेक्षण करने और सभी अवैध निर्माणों को हटाने का निर्देश दिया है। इस आदेश के बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि तुर्कमान गेट के पास हाल ही में चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान की तरह इस क्षेत्र में भी जल्द ही बुलडोजर कार्रवाई हो सकती है। गौरतलब है कि ऐतिहासिक मस्जिद की ओर जाने वाली सड़कें अनधिकृत दुकानों और अतिक्रमणों के कारण बुरी तरह से जाम रहती हैं। यहां तक कि ऐतिहासिक जामा मस्जिद की सीढ़ियां भी इससे अछूती नहीं हैं, जहां विक्रेताओं ने रास्ते के काफी बड़े हिस्से पर कब्जा कर रखा है। भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के स्मारक के पास स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। अतिक्रमणकारियों ने स्मारक के आसपास के क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है, जिससे विरासत संरक्षण को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। जामा मस्जिद की ओर जाने वाली सड़कों पर दोनों ओर और बीच में फेरीवाले बैठे हैं, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों का आवागमन मुश्किल हो गया है। ये अवैध निर्माण न केवल यातायात बाधित करते हैं बल्कि सदियों पुराने स्मारक की सुंदरता को भी प्रभावित करते हैं।

आम आदमी की पार्टी का चुनावी मंत्र! अरविंद केजरीवाल बोले- जनता जिसे चाहेगी, आप उसे टिकट देगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी उन आम लोगों को चुनावी टिकट देने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने काम के जरिए जनता का विश्वास और समर्थन हासिल करते हैं। लुधियाना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी पारंपरिक राजनीतिक दलों से अलग है क्योंकि यह पैसे, प्रभाव या पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर टिकट नहीं बांटती है।

केजरीवाल ने एएनआई से कहा कि आम आदमी पार्टी आम लोगों को टिकट देने वाली पार्टी है। आपको टिकट केवल आपके काम के आधार पर ही मिल सकता है। केजरीवाल उसी को टिकट देंगे जिसे जनता पसंद करती है। आप के संस्थापक सिद्धांतों को दोहराते हुए केजरीवाल ने कहा कि पार्टी का गठन आम पृष्ठभूमि के ईमानदार और सक्षम व्यक्तियों को राजनीति में लाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और जन–केंद्रित शासन के लिए किया गया था। इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए उसे पंजाब विरोधी और सिख विरोधी बताया। मुख्यमंत्री मान ने आम आदमी पार्टी (आप) नेता आतिशी जी के वीडियो में गुरु तेग बहादुर जी के नाम का दुरुपयोग करने के लिए भाजपा से सार्वजनिक माफी की मांग की, जिसे उन्होंने शर्मनाक कृत्य बताया। एक्स पर एक पोस्ट में, मान ने आरोप लगाया कि भाजपा ने आतिशी जी के उन शब्दों को जोड़ा है जो उन्होंने ष्कभी नहीं बोलेष और गुरु तेग बहादुर जी का नाम गलत तरीके से जोड़कर पूज्य सिख गुरु का अपमान किया है। पोस्ट में लिखा था कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से पंजाब और सिखों के खिलाफ रही है। आज फिर से उसका पंजाब विरोधी और सिख विरोधी चेहरा सामने आ गया है, जब उन्होंने आतिशी जी के वीडियो में उन शब्दों को जोड़ा है जो उन्होंने बोले तक नहीं थे और उसमें गुरु साहब का नाम जोड़कर गुरु साहब का अपमान किया है। इस शर्मनाक कृत्य के लिए भाजपा को सिख समुदाय और पंजाबियों से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री मान की ये टिप्पणी दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद उठे राजनीतिक विवाद के बीच आई है। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने कहा था कि भाजपा ने दिल्ली के एक्स अकाउंट द्वारा साझा किए गए एक वीडियो क्लिप में भ्रामक उपशीर्षक जोड़कर विधानसभा में उनके बयान को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है।

प्रधानमंत्री मोदी बोले-

सिद्धांत से समझौता न करने वालों की याद में स्वाभिमान पर्व

नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर से जुड़े ऐतिहासिक क्षणों को याद किया। उन्होंने कहा कि 31 अक्तूबर 2001 को सोमनाथ में आयोजित कार्यक्रम में मैंने भाग लिया था, जब 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के उद्घाटन के 50 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया गया था। प्रधानमंत्री ने बताया कि 1951 का वह ऐतिहासिक समारोह तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में संपन्न हुआ था। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार पटेल, केएम मुंशी सहित कई महान विभूतियों का योगदान अत्यंत उल्लेखनीय रहा। उन्होंने यह भी याद किया कि 2001 के कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और गृह मंत्री आडवाणी और अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए थे।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि जय सोमनाथ! सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आज से शुरू हो रहा है। जनवरी 1026 में सोमनाथ पर पहला हमला हुआ था, लेकिन 1026 के हमले और उसके बाद हुए आक्रमण भी करोड़ों लोगों की आस्था और उस सभ्यतागत चेतना को नहीं तोड़ सके, जिसने सोमनाथ को बार–बार खड़ा किया।

ईडी रेड पर भड़कीं मुख्यमंत्री ममता, बोलीं-

अगर अमित शाह में हिम्मत है और बंगाल जीतना है तो...

कोलकाता,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल प्रमुख प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रतीक जैन के घर पर ईडी की छापेमारी को लेकर नाराजगी जताई। इस दौरान सीएम ममता प्रतीक जैन के आवास पर पहुंचीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, श्यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि ईडी ने टीएमसी के आईटी प्रमुख के घर पर छापा मारा।श ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि अगर अमित शाह को बंगाल को जीतना है, आपमें हिम्मत है तो चुनाव लड़कर आइए।

ममता बनर्जी ने टीएमसी के आईटी सेल प्रमुख के घर पर ईडी की छापेमारी पर सवाल खड़े करते हुए कहा, क्या राजनीतिक दलों के आईटी प्रमुखों के घरों पर छापा मारना केंद्रीय गृह मंत्री का काम है? जानकारी के मुताबिक वित्तीय अनियमितताओं के मामले में प्रतीक जैन के घर पर ईडी ने छापेमारी की है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि ईडी के अधिकारी आईपीएसी प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर तलाशी अभियान के दौरान टीएमसी की हार्ड डिस्क, आंतरिक दस्तावेज और संवेदनशील संगठनात्मक डेटा जब्त करने का कोशिश कर रहे थे।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाते हुए कहा कि टीएमसी के आईटी प्रमुख के घर पर ईडी की छापेमारी राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित और असांविधानिक है, यह गृह मंत्री का सबसे घिनौना काम है।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा निरस्त करने पर भड़के चयनित अभ्यर्थी, आयोग के अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग पर बड़ी संख्या में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी पहुंचे। आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार से मिलकर अभ्यर्थियों ने परीक्षा निरस्त करने पर आपत्ति जताई। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा

चयन आयोग पर बड़ी संख्या में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी पहुंचे। आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार से मिलकर अभ्यर्थियों ने परीक्षा निरस्त करने पर आपत्ति जताई। कहा कि कुछ लोगों की गलती की सजा सभी अभ्यर्थी नहीं भुगत सकते हैं। जिन अभ्यर्थियों पर सॉल्वर गैंग से सांठ–गांठ का आरोप है उन्हें ही परीक्षा से डिबार किया जाए न कि परीक्षा निरस्त की जाए। अभ्यर्थियों के अनुसार अयोग के अध्यक्ष ने कहा कि यह फैसला शासन के स्तर का है। इसलिए अभ्यर्ती अपनी बात रखने के लिए लखनऊ जाएं।

हाईकोर्ट ने 65 न्यायिक अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में किया फेरबदल, जारी की गई अधिसूचना

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के 65 न्यायिक अधिकारियों के कार्य क्षेत्र में बदलाव कर दिया है। इसकी अधिसूचना बुधवार को जारी कर दी गई है। उन्नाव फैमिली कोर्ट के प्रिंसिपल जज सुनील कुमार वर्मा को राज्यपाल का कानूनी सलाहकार नियुक्ति किया गया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने न्यायिक प्रशासन में बड़ा फेरबदल करते हुए प्रयागराज समेत आसपास के कई जिलों में तैनात अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। रजिस्ट्रार जनरल मनजीत सिंह श्योराण ओर से छह जनवरी को अधिसूचना जारी की गई है। प्रयागराज में तैनात अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अपर्णा त्रिपाठी द्वितीय को विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के पद पर नियुक्त किया गया है। बांदा में नियुक्त अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्रपाल द्वितीय को विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम बनाया गया है। डॉ.विकास श्रीवास्तव प्रथम को विशेष न्यायालय से अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया गया है। छोटेलाल यादव को विशेष न्यायाधीश के साथ–साथ डकैती प्रभावित क्षेत्र अधिनियम के मामलों की सुनवाई का दायित्व भी सौंपा गया है। इसके साथ ही मेरठ, सहारनपुर, बरेली, मुरादाबाद, आगरा, अलीगढ़, कानपुर नगर, झांसी, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी,आजमगढ़, गोरखपुर, बस्ती, गोंडा, गाज़ियाबाद, सहारनपुर, बरेली आदि के जिलों के न्यायिक अधिकारियों के कार्य क्षेत्र में बदलाव हुआ है।

16 व 17 अप्रैल को प्रदेश के 52 केंद्रों में हुई थी परीक्षा, 82876 अभ्यर्थी थे पंजीकृत

प्रयागराज। शासन ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा को निरस्त कर दिया है। परीक्षा की शुचिता और स्वच्छता पर सवाल उठने के बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि परीक्षा को निरस्त किया जा सकता है। इसके खिलाफ अभ्यर्थियों ने भी आपत्ति जताई है और सरकार से निर्णय वापस लेने का आग्रह किया है। तीन साल के लंबे इंतजार के बाद प्रदेश के अशासकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 910 पदों पर भर्ती के लिए 16 व 17 अप्रैल 2025 को लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। अपने गठन के बाद उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग पहली परीक्षा कराई थी। परीक्षा के लिए छह जिलों में कुल 52 केंद्र बनाए गए थे। प्रयागराज, मेरठ व गोरखपुर में 10–10 केंद्र, लखनऊ में नौ, वाराणसी में सात एवं आगरा में छह केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रों में परीक्षा के लिए 82,876 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। परीक्षा दो पालियों में सुबह 9.30 से 11.30 बजे व अपराह्न 2.30 से 4.30 बजे तक आयोजित की गई थी। हालांकि, परीक्षा के तुरंत बाद ही पारदर्शिता को लेकर सवाल उठने लगे थे। लिखित परीक्षा का परिणाम जारी होने के बाद पूरी परीक्षा संदेह के घेरे में आ गई। अभ्यर्थियों के विरोध के बावजूद उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने अक्तूबर में इंटरव्यू कराने की घोषणा कर दी थी लेकिन विवाद बढ़ने पर तत्कालीन अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय ने आयोग की बैठक कर परीक्षा स्थगित कर दी और कुछ दिनों बाद प्रो. कीर्ति पांडेय ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा भी दे दिया।

अभ्यर्थियों ने इन मुद्दों पर उठाए थे सवाल

रेंडमाइजेशन का न होना – असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में रेंडमाइजेशन का न होना सबसे बड़ा सवाल बना। भर्तियों में सेटिंग का आरोप लगता रहा है कि नकल माफिया एक साथ फार्म भरकर एक साथ रोल नंबर आवंटित करा लेते हैं और उसमें अलग–अलग सॉल्वर को बैठाकर पैसा लेकर लोगों को पास कराते हैं। बावजूद इसके इस परीक्षा में रेंडमाइजेशन न होना बड़ा मुद्दा बना।

सीसीटीवी कैमरे का न होना– इस भर्ती परीक्षा में आयोग ने भ्रष्टाचार और नकल को रोकने के लिए न सिर्फ सीसीटीवी कैमरे को सभी केंद्र पर अनिवार्य माना था बल्कि इस परीक्षा के दौरान ड्रोन कैमरे से नकल रोकने की बात कही थी। अभ्यर्थियों का आरोप था कि कई केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे पर्याप्त संख्या में नहीं थी, जिससे नकल विहीन परीक्षा के दावे कोरे साबित हुए।

परीक्षा केंद्र पर 45 मिनट पहले पहुंचने की बाध्यता– आयोग ने परीक्षा केंद्रों पर 45 मिनट पहले पहुंचने की बाध्यता लागू की थी लेकिन अभ्यर्थियों का आरोप था कि कई सेंटरों में इस मानक का पालन नहीं किया गया और निर्धारित समय के बाद आने वालों को भी केंद्र में प्रवेश दिया गया। इससे परीक्षा में बराबरी और नकल रोकने की प्रतिबद्धता घटी।

आयोग के आउटसोर्स कर्मचारी की भूमिका– एसटीएफ ने आयोग के एक आउटसोर्स कर्मचारी को भी गिरफ्तार किया, जिस पर गंभीर आरोप लगे कि वह परीक्षा में अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रहा था। यह गिरफ्तारी भी परीक्षा संपन्न होने के बाद हुई, जिससे यह आशंका उत्पन्न होती है कि परीक्षा के पहले वह कई अभ्यर्थियों को पहले ही अनुचित लाभ दे चुका होगा।

दहशत का पर्याय बना तेंदुआ घर में घुसा, दरवाजा बाहर से किया गया बंद, दो घायल

प्रयागराज। गंगापार के हनुमानगंज इलाके में दहशत का पर्याय बना तेंदुआ छिबैयां गांव में एक घर में घुस गया। परिजनों ने घर का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। घर में फंसे परिजनों को खिड़की तोड़कर बाहर निकाला गया। छिबैया गांव में सुबह आठ बजे तेंदुआ देखा गया। उसने अलाव ताप रहे चाचा–भतीजे पर हमला बोल दिया। ग्रामीणों ने शोर मचाया तो वह शेखर सिंह के घर में घुस गया।

झूंसी और हनुमानगंज के बीच पड़ने वाले गांव छिबैया गांव में बृहस्पतिवार को तेंदुआ एक घर में घुस गया। इसके पहले उसने अलाव ताप रहे चाचा–भतीजे पर हमला बोल दिया। जिसमें दोनों घायल हो गए। ग्रामीणों के शोर मचाने पर तेंदुआ शेखर सिंह के मकान में घुस गया। परिजनों ने मकान का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। मकान में फंसे परिवार के सदस्यों को खिड़की तोड़कर किसी तरहसे बाहर निकाला गया। स्थानीय वन विभाग की टीम और पुलिस मौके पर पहुंच गई हैं। कानपुर से ट्रैंकुलाइजर एक्सपर्ट को बुलाया गया है।

गंगापार इलाके के हनुमानगंज के पास छिबैयां गांव में बृहस्पतिवार को तेंदुआ एक घर में घुस गया। यह तेंदुआ कई महीने से गंगापार इलाके के गांवों में दहशत का पर्याय बना हुआ है। हरिश्चंद्र शोध संस्थान (एचआरआई) और आसपास के इलाकों (छतनाग, हनुमानगंज) में यह कई बार देखा गया था। पालतू जानवरों का शिकार किया और ग्रामीणों में दहशत फैलाई है।वन विभाग की टीम ने इसे पकड़ने के लिए जाल, कैमरे लगाए और सर्च ऑपरेशन चलाए। गांवों में पिंजरे भी लगाए गए लेकिन यह हाथ नहीं लगा। अब ग्रामीणों ने इसे एक घर में कैद कर लिया है।

तेंदुए के हमले में चाचा–भतीजे घायल

हनुमानगंज के छिबैयां गांव में तेंदुए ने चाचा–भतीजे पर हमला बोल दिया। बृहस्पतिवार को गांव में तेंदुआ दिखने पर ग्रामीणों में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। इसी दौरान हजारों की भीड़ जमा हो गई है।

अलाव ताप रहे मनोज भारतीया (27) और उसके भतीजे अंकित भारतीया (20) पर तेंदुए ने हमला बोल दिया। दोनों घायल हो गए हैं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। फिलहाल तेंदुए की दहशत कायम है। जब तक ट्रैंकुलाइजर टीम उसको काबू में नहीं कर लेती है। गांव में तेंदुआ घर में घुसने पर परिजनों में मचा कोहराम, रोशनदान के रास्ते निकाले गए

घर में फंसे लोग

गंगापार इलाके के हनुमानगंज, झूंसी और सरायइनायत इलाके में दहशत का पर्याय बना तेंदुआ छिबैयां गांव में शेखर सिंह के मकान में घुस गया। घर में कोहराम मच गया। परिवार के कुछ सदस्य बाहर निकल आए और मकान का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया जबकि परिवार के कुछ सदस्य घर में ही फंस गए। जिन्हें ग्रामीणों ने रोशनदान तोड़कर बाहर निकाला।

चौकी के नीचे बैठा रहा तेंदुआ

तेंदुए के घर में घुस जाने से पूरे गांव में अफरातफरी मची रही। हजारों की संख्या में ग्रामीण शेखर सिंह के मकान के बाहर जमा हो गए हैं। पुलिस और वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। ग्रामीणों को भय है कि तेंदुआ कहीं खिड़की या दरवाजा तोड़कर बाहर न भाग जाए। मकान के एक कमरे में तेंदुआ चौकी के नीचे बैठा दिख रहा है। उसका वीडियो बनाने और फोटो खींचने वाले लोगों की भीड़ लगी है।

परिजनों ने सुनाई आप बीती

घर मे तेंदुआ घुस जाने पर परिजनों में कोहराम मचा रहा। तेंदुआ घर में घुसने के बाद एक कमरे में पहुंच गया। मकान के दूसरे कमरे में परिवार के सदस्य सो रहे थे, जबकि शोरगुल होने पर कुछ सदस्य बाहर भाग निकले। सुबह आठ बजे का समय होने के कारण बच्चों समेत परिवार के कई लोग सो रहे थे। अचानक तेंदुए के आने की सूचना पर दहशत फैल गई। मकान में फंसे परिजनों को किसी तरह से रोशनदान तोड़कर बाहर निकाला गया। बाहर निकलने पर परिजनों ने आपबीती सुनाई।

शीतलहर, ठंड व घने कोहरे ने थाम दी जीवन की रफ्तार, रजाई में भी कांपते रहे लोग

प्रयागराज। संगम नगरी बृहस्पतिवार को शीतलहरी और कड़ाके की ठंड की चपेट में रही। मौसम का यह तीखा मिजाज आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। बीते कई दिनों से लगातार तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है, वहीं सुबह और देर रात घना कोहरा छाए रहने से दृश्यता महज 10 मीटर से भी कम हो गई है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आ रहे हैं और आम लोगों की दिनचर्या पूरी तरह बदल गई है।

प्रयागराज बृहस्पतिार को ठंड की चपेट में रहा। घने कोहरे के चलते दृश्यता 10 मीटर से भी कम हो गई। दोपहर दो बजे तक शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में घना कोहरा छाया रहा। सड़कों और पुलों पर वाहन रेंगते नजर आए। दोपहर बाद तक चालक वाहनों की हेडलाइट जलाकर चलते नजर आए। जनजीवन काफी अस्तव्यस्त रहा। सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों के साथ स्कूल–कॉलेजों में कर्मचारियों और छात्रों की संख्या कम देखी गई। माघ मेले में में ठंड का असर दिखा। शिविरों में कल्पवासियों के साथ साधु–संत अलाव के पास नजर आए। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर भी रोज की अपेक्षा भीड़ कम दिखी।

शहर के अल्लापुर, दारागंज, मुट्ठीगंज, कीडगंज और धूमनगंज जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में सुबह–सुबह सन्नाटा पसरा रहा। लोग अलाव जलाकर ठंड से राहत पाने की कोशिश करते नजर आए।

चाय की दुकानों पर भीड़ अधिक रही, जहां लोग गर्म चाय और नाश्ते के साथ ठंड से राहत तलाशते दिखे। इसी तरह झलवा, सुलेमसराय, झूंसी, नैनी, फाफामऊ, सोरांव, नवाबगंज, मेजा, मांडा और शंकरगढ़ में स्थिति इसी तरह रही।

घने कोहरे के चलते फसल पर पाला पड़ने की आशंका भी बढ़ गई है। आलू, सब्जी और सरसों की फसलों को नुकसान होने का खतरा बना हुआ है। किसान खेतों में सिंचाई और धुआं करके फसल को बचाने के उपाय कर रहे हैं।

भीषण ठंड और कोहरे के कारण लोग आवश्यक काम होने पर ही घर से बाहर निकल रहे हैं। बुजुर्गों और छोटे बच्चों को खास तौर पर सतर्क रहने की जरूरत पड़ रही है। अस्पतालों में सर्दी, खांसी, बुखार और सांस से जुड़ी शिकायतों वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

यातायात व्यवस्था पर असर

घने कोहरे की वजह से सड़कों पर दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों को सावधानी से वाहन चलाने की अपील की है। कई स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। राष्ट्रीय राजमार्गों और संपर्क मार्गों पर भारी वाहनों की गति सीमित कर दी गई है। ड्राइवरों को फॉग लाइट, इंडिकेटर और हॉर्न का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने की सलाह दी जा रही है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

डॉक्टरों के अनुसार, शीतलहरी के दौरान शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है। इससे सर्दी–जुकाम, निमोनिया, जोड़ों में दर्द और सांस संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ठंड के कारण ब्लड प्रेशर और हृदय रोगियों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

मा मेला क्षेत्र में असर

माघ मेला क्षेत्र में भी घना कोहरा छाया रहा। संगम तट पर सुबह के समय श्रद्धालुओं की संख्या कम रही। स्नानार्थियों को ठंड से बचने के लिए प्रशासन की ओर से अलाव की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा कर्मियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और उत्तरी हवाओं के कारण तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। आने वाले कुछ दिनों तक कोहरा और शीतलहरी बने रहने की संभावना है। सुबह और रात के समय विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

ठंड, शीतलहरी और कोहरे से बचाव के उपाय

बहुत जरूरी हो तभी घर से निकलें
गर्म कपड़े, टोपी, मफलर और दस्ताने पहनें।
सुबह–शाम ठंडी हवा से बचें।
गर्म पानी और गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें।
बुजुर्गों और बच्चों को विशेष रूप से गर्म रखें।

यातायात सुरक्षा

वाहन धीमी गति से चलाएं।
फॉग लाइट और हेडलाइट का सही उपयोग करें।
सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
अनावश्यक यात्रा से बचें।

घर और आसपास

अलाव या हीटर का सुरक्षित इस्तेमाल करें।
घर में वेंटिलेशन बनाए रखें।
फिसलन से बचने के लिए रास्तों को सूखा रखें।

किसानों के लिए

फसलों की हल्की सिंचाई करें ताकि पाला न पड़े।
धुआं करके तापमान संतुलित रखें।
पशुओं को बंद और गर्म स्थान पर रखें।

नैमिषारण्य की कथा सुनकर सनातन धर्म से जुड़ीं इटली की लुक्रेशिया, पिता के साथ पहुंचीं माघ मेला

प्रयागराज। सनातन धर्म की शक्ति लुक्रेशिया को इटली से प्रयागराज माघ मेले में खींच लाई है। वह अपने पिता के साथ यहां नैमिशारण्य आश्रम में पहुंची हैं। उनका कहना है कि यहां आने पर उनको बहुत शांति मिलती है। प्रयागराज हजारों वर्ष पुराना है। माघ मेला क्षेत्र में सनातन धर्म से प्रभावित होकर इटली से आईं लुक्रेशिया श्रद्धालुओं के आकर्षण और चर्चा का केंद्र बनी हैं। गुरु ज्ञान मिलने के बाद से वह प्रयाग को तीर्थराज और गंगा को मां बुलाती हैं। खुद के बारे में कुछ पूछने वालों से जयश्री राम का जयकारा लगाते हुए कहती हैं कि गंगा मइया की जय। उनका पहनावा तो विदेशी है लेकिन भाव भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत दिखे। हाथ जोड़कर वह प्रणाम बोलती हैं और संगम की रेत को स्वर्ग (हैवेन) करार देती हैं।

लुक्रेशिया इटली से अकेली नहीं अपने पिता आंजलो संग माघ मेला क्षेत्र आई हैं। हिंदी में बात करने में कुछ असहज थीं लेकिन टूटीफूटी हिंदी में उन्होंने कहा कि यहां धरती का स्वर्ग है। गुरुजी की सानिध्य में शांति

मिलती हैं। यहां कैसे आईं, गुरुजी से कैसे मिलीं, इस बारे में भी उन्होंने सारा कुछ बताया लेकिन उनके गुरु नैमिषारण्य में मढ़िया घाट मैगलगंज के नागा बाबा मनमौजी राम पुरी ने विस्तृत जानकारी दी कि वह कैसे उनके संपर्क में आईं और उनकी शिष्या बनीं।

नैमिषारण्य तीर्थ की महिमा सुनकर बनीं शिष्या

नैमिषारण्य में मढ़िया घाट मैगलगंज के नागा बाबा मनमौजी राम पुरी ने बताया कि वर्ष 2024 में लुक्रेशिया उनसे मिली थीं। वह रोज उन्हें प्रणाम करती और कहां से हैं, इस बारे में पूछती। तब उसके साथ दूभाषिया और कुछ भारतीय मित्र भी थे। बाबा मनमौजी के मुताबिक हमने बिटिया लुक्रेशिया को नैमिषारण्य तीर्थ की महिमा सुनकर उनसे जुड़ी फिर शिष्या बन गई। यही नहीं, उसके पिता आंजलो और कई विदेशी उनके शिष्य हैं।

प्रयाग में मोक्ष और नैमिषारण्य तपोभूमि

नागा बाबा मनमौजी राम पुरी के मुताबिक प्रयागराज तीर्थों का राजा है। यहां कल्पवास, साधना करने वालों को शांति, मोक्ष की प्राप्ति होती है। हम यहां कुंभ और माघ मास, दोनों में आकर धूनी रमाते हैं। वहीं नैमिषारण्य तपोभूमि है। वहां 85 कोसा की परिक्रमा है। हनुमान गढ़ी है। व्यास गद्दी के साथ काली पीठ का भी स्थान है। गोमती नदी के तट पर स्थित नैमिषारण्य तीर्थ में चक्रतीर्थ, दधीचि कुंड के साथ पांडव किला भी है। इसी तीर्थ में दशश्वमेध घाट भी है जहां भगवान राम ने यज्ञ किया था। इसी तीर्थ की कथा सुनकर अन्य विदेशियों के साथ लुक्रेशिया और उसके पिता आंजलो उनके शिष्य बने।

मऊआइमा में रेलवे ओवरब्रिज के लिए चिह्नित की गई भूमि

प्रयागराज। मऊआइमा में रेलवे व सेतु निगम की ओर से 850 मीटर लंबे ओवरब्रिज बनाने का कार्य शुरू हो गया है। बुधवार को दोनों विभागों के अफसरों ने चिह्नांकन कराकर सड़क के मध्य से दोनों तरफ 10–10 मीटर भूमि अधिग्रहण करने की बात कही। मऊआइमा के लोगों को रेलवे फाटक बंद होने पर रोज–रोज लगने वाले जाम से जल्द निजात मिलने वाला है। इसके लिए सेतु निगम व रेलवे की ओर से 2024 में शासन को डीपीआर बना कर भेजा गया था।

ओवरब्रिज निर्माण के लिए 25 दिसंबर को शासन द्वारा 124 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति दी गई थी। बुधवार को दोनों विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने बताया कि ओवरब्रिज के निर्माण कार्य आरंभ होने से पहले मकर संक्रांति के बाद भूमि पूजन कराया जाएगा। इस दौरान मध्य सड़क के दोनों ओर 10–10 मीटर भूमि अधिग्रहण के लिए चिह्नांकर कर निशान लगाया गया।

मऊआइमा के सुल्तानपुर खास की क्षेत्र पंचायत सदस्य शोभा मिश्रा के प्रार्थना पत्र का संज्ञान लेकर फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल ने मंडल रेलवे प्रबंधक उत्तर रेलवे लखनऊ को एक मार्च 2025 को पत्र लिखकर ओवरब्रिज के समीप अंडर पास निर्माण कराए जाने की मांग की थी।

बोले अफसर

मऊआइमा रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज के लिए शासन द्वारा धन स्वीकृत किया गया है। जल्द ही निर्माण कार्य आरंभ कराया जाएगा। –रोहित कुमार मिश्रा, परियोजना प्रबंधक, सेतु निगम।

राम सिंह की अर्थी को तीनों भाइयों ने नहीं दिया कंधा, कहा– पैतृक संपत्ति हड़प लिया

प्रयागराज। जमीन के विवाद में आरोपी मुकेश ने पिता राम सिंह (55), बहन साधना (24) और नातिन आस्था (14) की हत्या कर दी थी। मंगलवार देर रात हुए राम सिंह के अंतिम संस्कार में उसके सगे भाई भी शामिल होने नहीं पहुंचे। जमीन के विवाद में आरोपी मुकेश ने पिता राम सिंह (55), बहन साधना (24) और नातिन आस्था (14) की हत्या कर दी थी। मंगलवार देर रात हुए राम सिंह के अंतिम संस्कार में उसके सगे भाई भी शामिल होने नहीं पहुंचे। उनका आरोप है कि राम सिंह ने नाना और पैतृक जमीन हड़प ली थी। उन्हें हिस्सा नहीं दिया गया।

क्षेत्र के ग्राम गमरहटा (मौहरिया) निवासी स्व. मेहीलाल के चार पुत्रों में विजय शंकर सबसे बड़े, उससे छोटे त्रिभवन हैं। उसके बाद राम सिंह का नंबर था। सबसे छोटा उमेश कुमार हैं और चार बहनें हैं। इसमें स्व. राम कली, अनारकली, फूल कली और सुमन हैं। लेकिन, सारे बहन–भाई राम के अंतिम संस्कार नहीं पहुंचे। विजय शंकर पटेल का कहना था कि राम सिंह ने संपत्ति में से दो बीघा जमीन लेकर कहा था कि नाना दरगाही पटेल के नाम लोकापुर विशानी में पांच बीघा जमीन में हिस्सा सभी भाइयों को देगा लेकिन बाद में उसने नाना की जमीन अपने बेटे मुकुंद लाल के करवा दी। विजय शंकर ने कहा हम लोगों ने राम सिंह से रिश्ता बहुत पहले ही खत्म कर दिया था।

अखबार से मिली राम सिंह की मौत की सूचना

बड़े भाई विजय शंकर पटेल ने बताया कि भाई राम सिंह की हत्या की खबर हम सभी भाइयों को मंगलवार को अखबार से मिली थी। विजय शंकर ने कहा कि जब राम सिंह की पत्नी शिवकुमारी की मौत हुई तो राम सिंह ने सूचना नहीं दी। फिर बेटे मुकेश, बेटी पुष्पा देवी की शादी में भी उसने नहीं बुलाया था।

वृद्ध मां ने कहा उसका चेहरा नहीं देखना चाहती

मां धनपत्ती देवी (90) ने कहा कि वह बेटे राम सिंह का चेहरा तक नहीं देखना चाहती। वह जब यहां से गया तब से हमने उसे नहीं देखा। न ही वह गमरहटा (मौहरिया) गांव आया। उन्होंने कहा कि राम सिंह अपने भाइयों का हिस्सा हड़प गया।

दुधमुंही बच्ची के साथ गायब प्रमिला का नहीं लगा कोई सुराग

तिहरे हत्याकांड के बाद से आरोपी मुकेश कुमार की पत्नी प्रमिला दुधमुंही बच्ची के साथ गायब है। बुधवार को मुकेश को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। लेकिन, उसकी पत्नी का सुराग नहीं लग सका। जबकि हत्या के 15 दिन पूर्व मुकेश ने अपने दो बच्चों अनन्या व आर्यन को साढू के घर भदरी में छोड़ दिया था। उसके बाद पत्नी प्रमिला और दुधमुंही बच्ची के साथ लोकापुर विशानी में आ गया था। जहां दो जनवरी की रात में मुकेश ने पिता, बहन और भांजी की हत्या की थी। मृतक राम सिंह के छोटे पुत्र मुकुंद लाल का आरोप है कि उसकी भाभी प्रमिला भी तिहरे हत्याकांड में शामिल है।

शहर के सभी वार्डो में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रहे

प्रयागराज। मेरे निर्देश के क्रम में नगर निगम प्रयागराज द्वारा निरन्तर शहर के सभी वार्डो में माघ मेला 2026 के दृश्टिगत डिवाईडरों की सफाई,रंगाई पुताई का कार्य एवं शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने का कार्य सभी अधिकारियों/कर्मचारियों के माध्यम से युद्व स्तर पर कराया जा रहा है ताकि माघ मेला में स्नान करने वाले श्रद्वालुओं को एक सुन्दर शहर प्रयागराज का दर्शन हो सके तथा आने वाले स्वच्छता का संदेश लेकर अपने गन्तव्य को गंगा मां का स्नान का वापस हो सके। इसके अतिरिक्त

मार्ग प्रकाश, सड़क के किनारे लगे पेड़ों की धुलाई एवं लाईटिंग का कार्य,अनिधिकृत रूप से पड़े मलवों का निस्तारण,संगम जाने वाले मार्गो एवं अन्य स्थानों पर यात्रियों के लिये अस्थाई रैन बसेरा का निर्माण व स्थाई रैन बसेरों में यात्रियों के रूकने हेतु समुचित व्यवस्था,स्थायी एवं मोबाईल टायलेट की व्यवस्था,समुचित शुद्व पेयजल की आपूर्ति हेतु शहर के मुख्य स्थानों व आवागमन मार्ग पर टेंकर की व्यवस्था व शहर के लगभग 800 स्थानों पर अलाव की व्यवस्था निरन्तर की जा रही है।

दबंग भाइयों ने अवैध कब्जा करने की नीयत से ग्रह स्वामी की गैर मौजूदगी में रात में मकान का ताला तोड़ा

मुजफ्फरनगर। दरअसल हम आपको बताते चलें कि गृहस्वामी की गैर मौजूदगी में कुछ दबंग लोगों ने एक मकान पर अवैध रूप से कब्जा करने के उद्देश्य से रात में किसी समय अंधेरे का लाभ उठाते हुए मकान के मुख्य गेट पर लगा ताला तोड़कर अपना ताला लगा दिया। घटना का पता सुबह लगा तो पुलिस में शिकायत की गयी। पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी। सलीम अहमद पुत्र अब्दुल गनी इदरीशी निवासी मौहल्ला मिर्दगान

कस्बा बुढाना हालध निवासी नई दिल्ली ने बुढ़ाना पुलिस को मौखिक रूप से बतलाया कि उसका एक पैतृक मकान बुढ़ाना कस्बे के मौहल्ला मिर्दगान में स्थित है। वह अब दिल्ली में अपने परिवार के साथ में रहकर कारोबार कर रहा है। वह अपने पैतृक मकान पर समय समय पर आता जाता रहता है। अब बीती 07 जनवरी की रात्रि में किसी समय कस्बा बुढाना के निवासी राशिद, ताहिर, पप्पू और शाहिद पुत्रगण रफीक ने एक राय होकर उसके मकान के मुख्य गेट पर लगा हुआ मोटा ताला तोडकर अपना नया ताला लगाकर अवैध रूप से कब्जा कर लिया। कुछ स्थानीय व्यक्तियों ने उसे इस बात की सूचना फोन पर दी तो उसने सूचना के आधार पर मौके पर आकर 112 नम्बर पुलिस को फोन पर घटना की सूचना दी तो पुलिस ने जांच शुरु कर दी।

शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के इलाकों में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कार्यकर्ता बंधुओं से मुलाकात की

प्रयागराज। शहर दक्षिणी विधानसभा में चौक मंडल के तुलसीपुर क्षेत्र में शास्त्री नगर रसूलपुर अम्बेडकर बस्ती रानी मंडी में उत्तर प्रदेश सरकार में लोकप्रिय कैबिनेट मंत्री विधायक शहर दक्षिणी श्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी जी बूथ के अध्यक्ष एवं स्थानीय देव तुल्य कार्यकर्ता बंधु समर्थक से शिष्टाचार मुलाकात की एवं क्षेत्र की समस्या का निस्तारण भी अधिकारियों को अवगत कराकर कराई गई उपस्थित मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य जी महानगर उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी झललर जी मंडल महामंत्री मन मोहन मिश्रा बचपन गुप्ता जी धीरज केसरवानी रोशनी अग्रवाल राजकुमार केसरवानी शुभानन मालवीय हरि प्रसाद सिंह सोनू अवधेश श्रीवास्तव आशीष कुशवाहा लोकेंद्र प्रताप सिंह हिमांशु गुप्ता सपना सिंह माया चौरसिया पंकज चौरसिया डॉ शरद शागलू पूर्व मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र मिश्रा जी रणविजय सिंह मंडल अध्यक्ष गया निषाद कबीर जायसवाल राधिका हेला आसित बनर्जी अभिक नाथ बनर्जी अशोक कुशवाहा अमित गुप्ता योगेश चौरसिया मुन्ना गांधी राजकुमार राठौर विकास चड्ढा ओम प्रकाश अग्रहरि विजय कुशवाहा पंकज तिवारी संतोष सिंह राजीव श्रीवास्तव राम जी हेला प्रीति पटेल आकाश चौरसिया शुभम केशरवानी रोहित कनौजिया विनोद निषाद सभी देव तुल्य कार्यकर्ता बंधु रहे।

गंगानाथ झा परिसर में धूमधाम से मनाया गया महर्षि भरद्वाज जन्मोत्सव

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज में महर्षि भरद्वाज जन्मोत्सव पूर्ण हर्षोल्लास एवं अप्रतिम उत्साहपूर्वक मनाया गया। परिसर के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छाताओं ने महर्षि भरद्वाज जी की प्रतिमा के समक्ष वैदिक मन्त्रोच्चार के साथ माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित करते हुए महर्षि के चरणों में नत मस्तक हो उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। परिसर के सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे एवं निदेशक(प्रभारी) प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" के नेतृत्व में छात्र–छात्राओं ने बालसन चौराहे पर स्थित महर्षि भरद्वाज पार्क में स्थापित महर्षि की दिव्य एवं भव्य प्रतिमा के समक्ष देववाणी में उद्घोष के मध्य माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया। कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ पत्रकार श्री वीरेन्द्र पाठक ने प्रतिमा के समक्ष आयोजित कार्यक्रम में महर्षि भरद्वाज एवं उनके द्वारा किये गये विशिष्ट कार्यों का स्मरण कराया। प्रो. देवदत्त सरोदे ने महर्षि भरद्वाज को विमानशास्त्र, आयुर्वेद सहित विभिन्न शास्त्रों का प्रणेता बताया। परिसर के छात्र–छात्राओं ने महर्षि प्रतिमा के समक्ष वैदिक श्लोकों का गान कर सम्पूर्ण वातावरण को भक्तिभाव से सराबोर कर दिया। तत्पश्चात् वर्तमान में परिसर में गतिमान भारतीय ज्ञान परम्परा में नवअनुसन्धान विषयक कार्यशाला में भी महर्षि भरद्वाज को नमन किया गया। कार्यशाला में स्टिफेन्स कालेज, दिल्ली के निवृत्ताचार्य प्रो. आशुतोष माथुर

ने शोध के नवीन विषय पर तथा प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर, अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन, प्रयागराज ने आयुर्वेद अनुसंधान के भविष्य की संभावनाएँ, प्रो. के.एस. कण्णन, गौरवप्राध्यापक, चाणक्य विश्वविद्यालय ने पश्चिमी इन्डोलॉजी की कमियाँ विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। पण्डित वीरेन्द्र पाठक, समन्वयक, प्रयागराज विद्वत परिषद् ने सभ्यता के विकास में तीर्थराज प्रयागराज का योगदान तथा डा. अवनीश पाण्डेय, चिकित्साधिकारी, राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय ने आयुर्वेद में वैज्ञानिक एवं साक्ष्य–आधारित अनुसंधान की आवश्यकता पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किये। कार्यशाला में आज ही प्रो. राजाराम शुक्ल, आचार्य, संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने भारतीय संवाद परम्परा, अनुमान स्वरूप तथा प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली ने संस्कृत साहित्य में शोध सम्भावना विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। जनसम्पर्क अधिकारी एवं मीडिया प्रभारी राजेश कान्त तिवारी ने बताया कि कार्यशाला का समापन कल प्रो. हरिदत्त शर्मा, पूर्वविभागाध्यक्ष (संस्कृत), इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं प्रो. रामनाथ झा, आचार्य, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली की उपस्थिति परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में होगा।

इस अवसर पर डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी, श्री संजय कुमार मिश्र, श्री रामसुरेश तिवारी, श्री अंकित मिश्रा, सुश्री अश्विनी लंके समेत परिसरीय समस्त अधिकारी, कर्मचारी गण, शोधच्छात्र तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर के अन्य छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।

विंडोज़ प्रोडक्शन ने 'भानुप्रिया भूतोर होटल' से रोमांटिक रेट्रो गीत 'आमी बार बार' किया रिलीज़

प्रयागराज। विंडोज़ प्रोडक्शन ने अपनी आगामी फिल्म भानुप्रिया भूतोर होटल से रोमांटिक रेट्रो गीत श्आमी बार बारश रिलीज़ कर दिया है। अरित्र मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का यह गीत पुराने ज़माने की मोहब्बत की खूबसूरती को समेटे हुए है, जिसे आधुनिक सिनेमाई संवेदनाओं के साथ बेहद सलीके से पेश किया गया है।

गीत को अर्नब दत्ता ने लिखा और संगीतबद्ध किया है, जबकि इसे काजोल चटर्जी और स्वयं अर्नब दत्ता ने अपनी आवाज़ दी है। रेट्रो रंग और भावनात्मक गहराई से भरपूर यह गीत श्रोताओं को प्यार के एक बीते दौर में ले जाता है। इसकी सादगी और मिठास इसे ऐसा श्फील–गुडश ट्रैक बनाती है, जिसे बार–बार सुनने का मन करता है। इस गीत को बॉनी सेनगुप्ता और स्वस्तिका दत्ता पर फिल्माया गया है, जहाँ दोनों क्लासिक रोमांटिक सिनेमा से प्रेरित रेट्रो अवतार में नज़र आते हैं। स्टाइलिंग, विज़ुअल्स और मूड गीत की भावना के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं, जिससे श्आमी बार बारश फिल्म के सबसे यादगार म्यूज़िकल पलों में शामिल हो जाता है।

गीत को लेकर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए बॉनी सेनगुप्ता ने कहा, ष्आमी बार बार सुनते ही मुझे इससे प्यार हो गया था। मैं चाहता था कि यह गाना मुझ पर फिल्माया जाए और खुशी है कि यह मेरे और स्वस्तिका दोनों पर

फिल्माया गया। हमारा रेट्रो लुक हमारे लिए बिल्कुल नया था और सेट का माहौल बेहद शानदार रहा। रिलीज़ के बाद से जो प्रतिक्रिया मिल रही है, वह इस अनुभव को और भी खास बना देती है।ष

वहीं, स्वस्तिका दत्ता ने अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा, ष्आमी बार बार ऐसा गीत है, जिसे मैं सच में बार–बार सुन सकती हूँ। पहली बार रेट्रो अवतार में दिखाई देना मेरे लिए बहुत रोमांचक था और मुझे यह लुक बेहद पसंद आया। इतने सालों बाद बॉनी के साथ फिर से काम करना इस गीत को और भी खास बनाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक भी इस गीत को बार–बार सुनना पसंद करेंगे।ष

गीत के संगीतकार अर्नब दत्ता, जिन्होंने टीवीएफ सीरीज़ आस्पिरेंट्स के लिए भी संगीत दिया है, कहते हैं, ष्आमी बार बार के ज़रिए मैं क्लासिक रोमांटिक धुनों की सादगी और गर्माहट को फिर से रचाना चाहता था। ऐसे गीत, जो जाने–पहचाने लगें, फिर भी कालातीत हों। मेरा उद्देश्य एक ईमानदार, नॉस्टैल्जिक और भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ कंपोज़िशन तैयार करना था, ताकि श्रोता तुरंत इससे जुड़ें और इसे बार–बार सुनना चाहें।ष

गीत के रचनात्मक विज़न पर बात करते हुए निर्देशक अरित्र मुखर्जी ने कहा, ष्हमने श्आमी बार बारश को कालजयी रोमांस को समर्पित एक गीत के रूप में सोचा था। अर्नब की धुन में शुरुआत से ही पुरानी दुनिया का आकर्षण था और गायकों की आवाज़ ने इसमें गहरी आत्मा जोड़ दी। विज़ुअल रूप से हम एक क्लासिक रेट्रो एहसास देना चाहते थे, जिसे बॉनी और स्वस्तिका ने अपनी केमिस्ट्री और भावनाओं से बेहद खूबसूरती से जीवंत कर दिया। मेलोडी–ड्रिवेन म्यूज़िक को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया देखना बहुत सुखद है।ष

विंडोज़ प्रोडक्शन के बैनर तले बनी यह रोमांटिक हॉरर–कॉमेडी फिल्म भानुप्रिया भूतोर होटल अपने संगीत के साथ दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा रही है, और श्आमी बार बारश फिल्म की बढ़ती लोकप्रियता में एक खूबसूरत, नॉस्टैल्जिक परत जोड़ता है।

अमिताभ ठाकुर को कार्डियक अटैक, एसजीपीजीआई लखनऊ में भर्ती

लखनऊ (संवाददाता)। पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को कार्डियक अटैक पड़ा है। एसजीपीजीआई की कार्डियोलॉजिस्ट डिपार्टमेंट के सूत्रों के मुताबिक, बुधवार रात बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर से उन्हें लखनऊ रेफर किया गया था। लखनऊ लाते समय रास्ते में ही उनको कार्डियक अटैक की शिकायत हुई, जिस पर सीपीआर देते हुए उन्हें सीधे एसजीपीजीआई के कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट में भर्ती कराया गया। रात करीब 1.00 बजे अमिताभ ठाकुर को भर्ती कराया गया है। फिलहाल पूरे डिपार्टमेंट में कोई बात करने को अभी तैयार नहीं है। डॉक्टरों की निगरानी में अमिताभ ठाकुर का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है की हालत स्थिर नहीं है, इसलिए किसी को भी वहां आने–जाने की बिल्कुल परमिशन नहीं है। हालांकि, पूरे मामले को लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। दरअसल, अमिताभ ठाकुर की तबीयत देवरिया जेल में मंगलवार देर रात अचानक बिगड़ गई थी। सीने में तेज दर्द और बेचैनी की शिकायत के बाद पहले उन्हें देवरिया मेडिकल कॉलेज, फिर गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। स्थिति गंभीर होने पर लखनऊ भेजा गया। इसी बीच, अमिताभ ठाकुर की ओर से रिमांड कैंसिल करने के लिए बुधवार को दी गई अर्जी सीजेएम मंजू कुमारी ने खारिज कर दी। अब उन्हें 21 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में रहना होगा। मंगलवार को अमिताभ ठाकुर की जमानत याचिका पर सीजेएम कोर्ट में सुनवाई थी। पुलिस उन्हें सीजेएम कोर्ट लेकर गई थी, लेकिन कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद ठाकुर की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पेशी के बाद अमिताभ ठाकुर को शाम तीन बजे जेल वापस लाया गया। रात 9.30 बजे उन्होंने भोजन किया और उसके बाद लिखने–पढ़ने में लगे रहे। रात करीब 12 बजे अचानक सीने में तेज दर्द हुआ, जिसके बाद जेल प्रशासन ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया। फिर उन्हें गोरखपुर भेजा गया। वहां शुरुआती जांच में हार्ट अटैक की आशंका जताई गई, लेकिन बुधवार को कराई गई ट्रोप–आई जांच में हार्ट अटैक की पुष्टि नहीं हुई।

दुद्धी से सपा विधायक विजय सिंह गोंड का निधन, लंबे समय से चल रहे थे बीमार

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में दुद्धी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक विजय सिंह गोंड का गुरुवार को लखनऊ के संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और उनका इलाज चल रहा था। संस्थान की जनसंपर्क अधिकारी कुसुम यादव के मुताबिक, मल्टी आर्गन फेल्योर के चलते विधायक की मृत्यु हुई है। उनके निधन की सूचना मिलते ही सोनभद्र सहित आसपास के इलाकों में शोक की लहर फैल गई है।

फूल कहते हैं जिसको

(कुण्डलिया)

मलयालम 'पुष्पं' कहे, तमिल 'मलर' दे नाम।
नेपाली में फूल कह, औषधि का लें काम।
औषधि का लें काम,कहें 'हुवु' कन्नड़ उसको।
हिन्दी–उर्दू साथ ,फूल कहते हैं जिसको।
सुन लो कहें प्रदीप,ग़ज़ब का है यह आलम।
सिंधी कहते फूल,बताता है मलयालम।।

जापानी 'हाना' कहें, जर्मन कहते 'ब्लूम'।
कहे चिचेवा 'मालुवा', लगते हैं मासूम।
लगते हैं मासूम, 'ब्लोम' डच कहता जिसको।
कहे खमेर 'पखा' जिसे, 'गुल' कहे कुर्दिश उसको।
सुन लो कहें प्रदीप,फूल की सुनो कहानी।
भाषाई का मेल, बताते हैं जापानी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

न्याय नहीं मिला तो अति पिछड़ों के घरों पर लगवाऊंगा भाजपा बहिष्कार के पोस्टरः मोहन प्रजापति

मुजफ्फरनगर। आज भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने भाजपा बहिष्कार के पोस्टर अति पिछड़ों के घरों पर लगाने की घोषणा की उन्होंने बताया हे कि बघरा ब्लॉक के खेड़ी दूधाधारी गांव का मामला जिसमें गरीब अति पिछड़ा वर्ग के गरीब सोहनलाल प्रजापति का मकान पर लेखपाल प्रधान वे थाना प्रभारी ने मिलकर बुलडोजर चला दिया था जिसपर राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने नाराजगी जताते हुए धरना प्रदर्शन वे भूख हड़ताल तक की थी जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट ने दस दिन का आश्वाशन देकर समाप्त कराया था जिसको लेकर आज गांव में प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और कार्यवाही शुरू की जिसका पता लगते ही मोहन प्रजापति ने कहा हे कि प्रशासनिक अधिकारी सिर्फ

गरीब लोगों के ही मकानों की जांच ना करे वहां बसे बाहरी लोगों वे गांव के दबंगों के मकान की भी गम्भीरता से जांच कर अवैध मकानों पर सभी पर बुलडोजर चलाने का काम करे नहीं तो सोहनलाल प्रजापति के तोड़े गए मकान की भरपाई वे मकान बनाने का काम करे वहीं प्रधान वे भ्रष्ट लेखपाल वे भ्रष्ट तिवावी थाना प्रभारी की भी जांच हो उन्होंने चेतावनी दी हे कि अगर अधिकारियों वे जांच कर्ताओं द्वारा भेदभाव पूर्ण तरीके से कार्यवाही की गई वे दबंगों को बचाया गया और पीड़ित सोहनलाल प्रजापति को न्याय नहीं मिला तो 26 जनवरी से अति अति पिछड़ों के घरों पर भाजपा बहिष्कार के पोस्टर लगवाने का काम करूंगा जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा : एक–एक अभ्यर्थी से 35–35 लाख में की थी डील

लखनऊ (संवाददाता)। असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में सेंधमारी करने वाले गिरोह ने एक–एक अभ्यर्थी से 35–35 लाख रुपये में डील की थी। आरोपियों ने एडवांस के तौर पर 10 से 12 लाख रुपये वसूल लिए थे, जबकि शेष रकम परीक्षा के कुछ दिनों बाद लेने की योजना थी। इससे पहले ही एसटीएफ ने गिरोह का पर्दाफाश कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में कई अन्य बड़े जिम्मेदारों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। शुरुआत में एसटीएफ ने विभूतिखंड थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। गिरफ्तार आरोपियों में सहायक प्रोफेसर बैजनाथ पाल, उसका भाई विनय कुमार और आयोग की अध्यक्ष का गोपनीय सहायक महबूब अली शामिल हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर दी थी। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि बाद में मामले की दोबारा विवेचना के आदेश दिए गए, जिसके बाद जांच एसटीएफ को ट्रांसफर कर दी गई। एसटीएफ की जांच में भर्ती परीक्षा में बड़े पैमाने पर हुई गड़बड़ी की कई परतें खुलीं। तफ्तीश में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने कई अन्य अभ्यर्थियों से करोड़ों रुपये की वसूली की थी। मोबाइल नंबरों से मिला सुराग : जांच के दौरान आरोपियों के मोबाइल फोन से कई अभ्यर्थियों का डाटा बरामद हुआ, जिसमें दर्जनों मोबाइल नंबर शामिल थे। एसटीएफ ने आयोग से प्राप्त अभ्यर्थियों के डाटा से इसका मिलान कराया।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना संख्या:- 68-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 दिनांक : 05.01.2026
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 28.01.2026 समय 15.00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-
निविदा सूचना संख्या : ELG-135-2526 | काम की लागत (रू में) : 10276973.16
कार्य का नाम : "टूंडला : टूंडला में अस्पताल में सुधार और CMS ऑफिस के प्रावधान" से संबंधित विद्युत कार्य। "ETW: ADEN/ETW के तहत 04 यूनिट टाइप-II क्वार्टर और 03 यूनिट टाइप-IV क्वार्टर का निर्माण" से संबंधित विद्युत कार्य।
बिड सिक्योरिटी (रू में) : 201400.00
निविदा सूचना संख्या : ELG-136-2526 | काम की लागत (रू में) : 8936653.10
कार्य का नाम : "ADEN/L/CNB के तहत PNKD स्टेशन पर 3-यूनिट टाइप-IV क्वार्टर और BPU, MTO, RRH सेक्शन में 1-1 क्वार्टर के प्रावधान" से संबंधित विद्युत कार्य। "ADEN/HQ-II/CNB के तहत लोको नॉर्थ रेलवे कॉलोनी में तोड़े गए क्वार्टरों की जगह 6 यूनिट टाइप-IV क्वार्टर के प्रावधान" से संबंधित विद्युत कार्य। और "DER स्टेशन और NTPC/DER के बीच LC गेट्स की मैनिंग" से संबंधित विद्युत कार्य।
बिड सिक्योरिटी (रू में) : 178700.00
निविदा सूचना संख्या : ELG-137-2526 | काम की लागत (रू में) : 5269666.00
कार्य का नाम : विभिन्न सुविधाएं देकर लिफ्ट में सुरक्षा में सुधार। (सीसीटीवी कैमरा, पुश टू टॉक सिस्टम, पेनाइट फर्श, निर्देश और नेम बोर्ड आदि।) प्रयागराज डिवीजन में लिफ्ट में मैनुअल बचाव अभियान के लिए लीवर टाइप ब्रेक रिलीज मैकेनिकल सिस्टम का प्रावधान।
बिड सिक्योरिटी (रू में) : 105400.00
निविदा सूचना संख्या : ELG-138-2526 | काम की लागत (रू में) : 6210654.22
कार्य का नाम : "प्रयागराज: ADEN/FTP के तहत KBN स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (MEA) में कमी को पूरा करने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2/3 को ऊंचे लेवल तक उठाने, KGA और CHK स्टेशन पर Pway स्टोर शेड के निर्माण" के कार्य से संबंधित विद्युत कार्य।
बिड सिक्योरिटी (रू में) : 124200.00
निविदा सूचना संख्या : ELG-139-2526 | काम की लागत (रू में) : 5205835.72
कार्य का नाम : "पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन - DDU (दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन) पर 30 वेड के रनिंग रूम और लॉबी के प्रस्ताव" के काम से संबंधित विद्युत कार्य।
बिड सिक्योरिटी (रू में) : 104100.00
निविदा खुलने की तिथि : 28.01.2026, समय - 15:00 बजे
कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 Month
नोट :- उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 41/26 (AS)
@CPRONCR North central railways @cpronomy CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

पंजाब में बढ़ते अपराध

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पंजाब में सरेआम की जा रही लक्षित हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दुस्साहसी हत्यारे अपने मंसूबों को अंजाम देकर साफ निकल जाते हैं। यह विडंबना ही है कि पंजाब में नये साल की शुरुआत दिनदहाड़े हुई हत्याओं की एक शृंखला के साथ हुई है। अब चाहे लुधियाना जिले में एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी की निर्मम हत्या हो या अमृतसर के मैरिज रिसॉर्ट में एक विधायक के करीबी सरपंच की गोली मारकर बेरहमी से हत्या, इनसे पता चलता है कि पंजाब के अपराधियों में कानून का भय नहीं रह गया। निश्चित रूप से ये घटनाएं पंजाब में गंभीर चुनौती बनती एक जटिल समस्या की ओर इशारा करती हैं। इस चिंताजनक होती स्थिति की वजह लगातार अपराधी गिरोहों के नेटवर्क का मजबूत होना, घातक हथियारों की सहज उपलब्धता और पुलिस बल पर लगातार बढ़ता दबाव भी है। दूसरी ओर विपक्षी दल आरोप–प्रत्यारोपों का सिलसिला चलाए रहते हैं और राजनीतिक लक्ष्यों के लिये मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफे की मांग करते रहते हैं। वहीं सरकार इस संकट को अपने पूर्ववर्तियों द्वारा विरासत में छोड़ा गया बताते हैं। लेकिन एक हकीकत है कि इन बयानबाजियों से नागरिकों की असुरक्षा कम नहीं होती है। वहीं पंजाब के शीर्ष पुलिस अधिकारियों की दलील होती है कि पंजाब में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। लेकिन राज्य में बढ़ते अपराधों के संकट को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से जब हत्याएं राज्य के भीड़भाड़ वाले इलाकों में होती हैं तो लोगों का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। वहीं दूसरी ओर राज्य के पुलिस महानिदेशक की दलील है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ड्रोन के जरिये हथियार, गोला–बारूद और नशीले पदार्थ भेजकर सीमांत राज्य पंजाब के खिलाफ परोक्ष युद्ध छेड़े हुए है। निश्चय ही यह बात इस सीमावर्ती राज्य के लिये गंभीर चिंता का विषय है। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के डीजीपी का पाक से अपराधियों को प्रश्रय देने वाला बयान चिंता बढ़ाने वाला है। खासकर उस राज्य के लिये, जिसने एक दशक तक उग्रवाद का सामना किया हो। लेकिन पंजाब के अपराध संकट के लिये केवल बाहरी कारकों को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। यह पुलिस विभाग की शिथिलता व खुफिया तंत्र की नाकामी के साथ सामाजिक विद्रूपताओं से भी उपजा संकट है। निस्संदेह, राज्य में अधिक बेरोजगारी है। बंदूक संस्कृति का महिमामंडन भी गंभीर चुनौती है। वहीं दूसरी ओर युवाओं में रातों–रात धनवान बनने का लालच भी स्थानीय व क्षेत्रीय गिरोहों के पनपने की गंभीर वजह है। इसके अलावा पुलिस विभाग की संरचना की भी कुछ विसंगतियां सामने आती हैं। मसलन पुलिस व्यवस्था में उच्च अधिकारियों की तो अधिकता है मगर फील्ड स्टाफ पर काम का बोझ जरूरत से ज्यादा है। इसके अलावा पुलिस के कामकाज में राजनीतिक हस्तक्षेप के भी आरोप लगते रहे हैं। यही वजह है कि पुलिस, हासिल कुछ सफलताओं के बावजूद जनता का विश्वास जीतने के लिये संघर्ष कर रही है। लेकिन राजनीतिक बयानबाजियों से इतर राज्य सरकार को अपनी रणनीति में बदलाव लाकर धरातल पर गंभीर प्रयास करने होंगे। मौजूदा हालात में बहुआयामी रणनीति बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। इसके अंतर्गत पुलिस सुधार भी प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है, ताकि हाइटैक अपराधियों पर शिकंजा कसा जा सके। इसके साथ ही अपराध नियंत्रण में केंद्रीय एजेंसियों से बेहतर तालमेल करने की भी जरूरत है। इसके अलावा बंदूकों पर लगाम लगाने के लिये कानून को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता होगी। राज्य में रोजगार के अवसरों में वृद्धि, कौशल विकास में व्यापक निवेश करने तथा भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा में लाने के प्रयास योजनाबद्ध ढंग से करने होंगे। ऐसे राज्य में जो एक दशक तक चरमपंथ की त्रासदी झेल चुका हो, अपराधियों के खिलाफ बड़ी मुहिम वक्त की मांग है। राज्य के सत्ताधीशों को चाहिए कि पंजाब द्वारा कड़ी मेहनत से हासिल की गई शांति को गैंगस्टरों, ड्रग माफिया और आतंकवादियों के घातक गठजोड़ का शिकार कदापि नहीं होने दें।

पैर फैला रही पूंजीवादी व फासीवादी ताकतें

मंगत राम पासला

इन सरकारों द्वारा मेहनतकश वर्गों को मिलने वाली मामूली आध्थक सुविधाएं, कानूनी अधिकार और सामाजिक सुरक्षा वापस लेकर इन वर्गों को गरीबी के जंजाल में फंसाकर गुलामी की जंजीरों में जकड़ा जा रहा है।

बंगलादेश में सांप्रदायिक तत्वों द्वारा वहां के धार्मिक अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर किए जा रहे हिंसक हमले और भीड़ द्वारा ध्ार्मिक स्थलों की बेअदबी करना हर पहलू से निंदनीय और बेहद चिंताजनक घटनाक्रम है। धार्मिक अल्पसंख्यक आबादी पर कातिलाना हमलों का यह घिनौना सिलसिला अफगानिस्तान, पाकिस्तान और कई अन्य देशों में भी देखा गया है। अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा आदि देशों के भीतर कुछ सिरफिरे अंधाधुंध गोलियां चलाकर बेगुनाहों की लाशों के ढेर लगा देते हैं। दक्षिणपंथी– पिछड़ी सोच वाले ये कातिल गिरोह अक्सर ध्ार्म–जाति, रंग–नस्ल, प्रवास या क्षेत्रीय मुद्दों को आधार बनाकर अपने उक्त कुकर्मों को सही सिद्ध करने का प्रयास करते हैं। भारत के भीतर भी प्रतिक्रियावादी दुत्विवादी संगठनों (बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद आदि) के अराजकतावादी कार्यकर्त्ता और इनके द्वारा पाले गए पेशेवर अपराधी तत्व मुस्लिम और ईसाई धार्मिक अल्पसंख्यकों, दलितों, महिलाओं और प्रगतिशील लोगों को हिंसक हमलों का निशाना बनाते हैं। अपने इन अमानवीय कार्यों को उचित ठहराने के लिए अशांति के इन दूतों ने देश की बहुसंख्यक हिंदू आबादी को ध्ार्मिक अल्पसंख्यकों (मुसलमानों, ईसाइयों आदि) से 'फर्जी खतरे' का एक काल्पनिक विमर्श (नैरेटिव) गढ़ा हुआ है। पिछले लगभग 11 साल से आर.एस.एस. की सोच और दिशा के अनुसार राज–काज चला रही भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार ने इन्हें पूरी सरपरस्ती 'बख्शी' हुई है। पिछले दिनों ईसाइयों के पवित्र त्यौहार क्रिसमस के अवसर पर बजरंग दल और कई अन्य अराजकतावादी संगठनों के हुड़दंगियों ने बेखौफ होकर वहशियाना ढंग से धार्मिक आयोजनों के लिए तैयार किए गए पंडाल तोड़े और ईसा मसीह की मूर्तियां खंडित कीं। गंगा स्नान करने गए विदेशियों के सिरों से क्रिसमस की झलक देने वाली टोपियों का उतारा जाना और सरङ्क्षहद में श्री गुरु गोदिं सिंह जी के दो छोटे साहिबजादों की याद में मनाए जाने वाले शहीदी जोड़ मेले में निहंग बाणा पहने कम उम्र के 2 बच्चों द्वारा लोगों के सिरों पर पहनी गई टोपियों को जबरन उतारना और नेजों पर टांग कर भद्दी किस्म की संकीर्णता का प्रदर्शन किया जाना, विभिन्न ध्ार्मों के अनुयायियों के भीतर जोर पकड़ रही सांप्रदायिक सोच और कट्टरता को दर्शाता है। 2008 से अमरीका से शुरू हुई 'पूंजीवादी आध्थक मंदी', जिसने दुनिया के सभी देशों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया, ने पूरी दुनिया की राजनीति में घमासान मचा रखा है। इस महामंदी की अभिव्यक्ति बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, तालाबंदी, छंटनी, वित्तीय लेनदेन में बार–बार पैदा हो रही अस्थिरता आदि के रूप में देखी जा सकती है। विभिन्न देशों की पूंजीवादी सरकारें, वहां के कॉर्पोरेट घरानों और बहुराष्ट्रीय निगमों के असीमित मुनाफे में और वृद्धि करने में लगी हुई हैं। दूसरी ओर, संकट की सबसे अधिक मार झेल रहे श्रमिक वर्गों को कोई राहत देने की बजाय उन पर टैक्स आदि का बोझ और अधिक लादा जा रहा है, सुविधाओं और सबसिडी में निरंतर कटौती की जा रही है। पूंजीवादी व्यवस्था में पनपे इस आध्थक संकट ने दुनिया के अनेक देशों में तानाशाह प्रवृत्तियों वाली दक्षिणपंथी और फासीवादी ताकतों को अपने पैर पसारने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बलि का बकरा बनाने के लिए बहुत अच्छा अवसर प्रदान किया है। अमरीका, भारत, फ्रांस, इटली, जर्मनी, अर्जेंटीना आदि देशों में दक्षिणपंथी सरकारों का अस्तित्व में आना इस तथ्य की पुष्टि करता है। इन सरकारों द्वारा मेहनतकश वर्गों को मिलने वाली मामूली आध्थक सुविधाएं, कानूनी अधिकार और सामाजिक सुरक्षा वापस लेकर इन वर्गों को गरीबी के जंजाल में फंसाकर गुलामी की जंजीरों में जकड़ा जा रहा है। इन कदमों के विरोध में दुनिया के विकसित पूंजीवादी देशों फ्रांस, इटली, जर्मनी, अमरीका, स्पेन, इंगलैंड, पुर्तगाल, ऑस्ट्रेलिया आदि के लाखों लोग सड़कों पर उतरे हैं और लंबी हड़तालें हुई हैं। भारत की केंद्र सरकार द्वारा भी यही आर्थिक नीतियां लागू की जा रही हैं, जो मजदूर वर्ग के लंबे संघर्षों और भारी कुर्बानियों के फलस्वरूप हासिल किए गए अधिकारों और रियायतों पर प्रहार करती हैं। मोदी सरकार द्वारा क्रांतिकारी कानूनों में से एक गिने जाने वाले 'मनरेगा' को खत्म करके रोजगार गारंटी से पूरी तरह भागने वाला नया 'वीबी जी राम जी' कानून लाना अत्यंत गरीब लोगों के साथ एक भद्दा मजाक है। इस बात का संतोष है कि दुनिया के श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा अपने कड़वे अनुभवों से सीखकर पूंजीवादी ढांचे की बेरहम लूट से मुक्ति के लिए 'समाजवादी व्यवस्था' के निर्माण की अनिवार्य आवश्यकता को अनुभव करने लगा है। अमरीका, जहां 'कम्युनिस्ट' और 'समाजवाद' शब्दों को कभी बहुत बड़ा हौव्वा बना दिया गया था, वहां भी अब मजदूर–किसान और युवा हाथों में 'समाजवाद' के बैनर और लाल झंडे लिए सड़कों पर जोरदार नारे लगाते अक्सर देखे जा सकते हैं। नए साल के भीतर हम भी प्रयास करें कि भारत भी इस कार्य में पीछे न रहे।

कानून को ठेंगा दिखाने वालों को बड़ा झटका लगा है

नीरज कुमार दुबे

उच्चतम न्यायालय ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपियों– उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से साफ इंकार करते हुए कहा है कि उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां अन्य आरोपियों– गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को 12 शर्तों के साथ जमानत दे दी है।

पीठ ने कहा, ''अदालत इस बात से संतुष्ट है कि अभियोजन

(रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है। अदालत ने साथ ही उमर खालिद और शरजील इमाम पर इस मामले में एक साल तक जमानत याचिका दाखिल करने पर भी रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने हालांकि इस मामले में पक्ष द्वारा प्रस्तुत सामग्री से याचिकाकर्ताओं– उमर खालिद और शरजील इमाम के खिलाफ प्रथम दृष्टया आरोप सिद्ध होते हैं। इन याचिकाकर्ताओं के संबंध में वैधानिक कसौटी लागू होती है। कार्यवाही के इस चरण में उन्हें जमानत पर रिहा करना उचित नहीं है।'' अदालत ने कहा कि जिन लोगों को जमानत मिली है, उनकी भूमिका सीमित और परिस्थितिजन्य मानी गई है, जबकि उमर खालिद और शरजील इमाम पर दंगों की साजिश रचने, भीड़ को भड़काने और सुनियोजित तरीके से हिंसा को दिशा देने के गंभीर आरोप हैं। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हिंसा को जायज नहीं ठहराया जा सकता।

देखा जाये तो उच्चतम न्यायालय का यह फैसला केवल दो व्यक्तियों की जमानत याचिका का निपटारा नहीं है, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और राष्ट्रीय संकल्प का स्पष्ट संदेश है। उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोग कोई साधारण आरोपी नहीं हैं। ये वे चेहरे हैं जिन्होंने विचारधारा की आड़ में सड़कों पर आग लगाने की मानसिकता को खाद पानी दिया। यह बार बार साबित हो चुका है कि दिल्ली दंगे अचानक नहीं भड़के थे। उनके पीछे शब्दों के बारूद, भाषणों की चिंगारी और योजनाबद्ध उकसावे की लंबी तैयारी थी। ऐसे मामलों में यदि अदालत नरमी दिखाती, तो यह न केवल न्याय के साथ अन्याय होता बल्कि समाज के लिए एक खतरनाक संकेत भी जाता।

अदालत ने सही कहा कि इन दोनों की स्थिति अन्य आरोपियों से अलग है। यह अंतर केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। दंगा केवल पत्थर फेंकने से नहीं होता, दंगा उस सोच से पैदा होता है जो समाज को बांटने का काम करती है। जब किसी मंच से यह कहा जाए कि सड़कों पर उतर कर व्यवस्था को जाम कर दो, तब वही शब्द बाद में आग बन जाते हैं। जमानत खारिज करने का फैसला उन सभी लोगों के लिए चेतावनी है जो खुद को एक्टिविस्ट या बुद्धिजीवी बताकर कानून को ठेंगा दिखाना चाहते हैं। यह फैसला बताता है कि भारत में अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब अराजकता फैलाने की छूट नहीं है।

मुकदमे में देरी को लेकर अदालत की टिप्पणी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। वर्षों से एक तर्क गढ़ लिया गया था कि अगर मुकदमा लंबा चल रहा है, तो आरोपी को स्वतः राहत मिलनी चाहिए। यह सोच न्याय व्यवस्था को कमजोर करती है। अगर गंभीर साजिशों में केवल समय के आधार पर जमानत मिलने लगे, तो हर देश विरोधी ताकत समय को हथियार बना लेगी। इस फैसले का सबसे बड़ा असर उपद्रवी और दंगाई मानसिकता वाले लोगों पर पड़ेगा। अब यह भ्रम टूटेगा कि लंबी कानूनी प्रक्रिया अंततः उन्हें बचा लेगी।

देखा जाये तो अदालत का सख्त रुख भारत की आतंकवाद के खिलाफ चल रही लडाई को मजबूत करता है। यह फैसला उन आम नागरिकों के लिए भी भरोसे का आधार है जिन्होंने दंगों में अपने घर, दुकानें और परिजन खोए। उनके लिए न्याय केवल सजा नहीं, बल्कि यह विश्वास है कि सिस्टम उनके साथ खड़ा है। कुछ लोग इसे कठोरता कहेंगे, लेकिन सच यह है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए कठोर फैसले जरूरी होते हैं।

उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत खारिज होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की न्यायपालिका आज भी राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और संविधान की मूल भावना को समझती है। यह फैसला आने वाले समय में न केवल कानूनी मिसाल बनेगा, बल्कि उन सभी ताकतों के लिए एक स्पष्ट चेतावनी भी होगा जो भारत को भीतर से तोड़ने का सपना देखती हैं। यह निर्णय बताता है कि भारत कमजोर नहीं है, भारत चुप नहीं है और भारत अब दंगों की राजनीति को बर्दाश्त करने के मूड में बिल्कुल नहीं है।

सिर्फ़ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास

(भाग – 21)

लेखिका –अतिया नूर

समीर के किसी दोस्त ने उसे दिल्ली जाने का मशविरा दिया था। समीर भी अपने हालात से आहत था इसलिए उसने अपने दोस्त की यह सलाह मान ली और दिल्ली रवाना हो गया। समीर के साथ साथ मेरे मन में सब कुछ ठीक हो जाने की भी उम्मीद

भरी एक हल्की सी रौशनी थी।हमारा मन बहुत दुखी और अशांत था लेकिन उम्मीद की यह रौशनी मन के दुखों को कम भी करती रही।

मेरा अठारह साल का समीर एक नए और अंजाने शहर में पहुंच गया था। फ़ोन पर उससे बातें होती रहीं.....

समीर कभी फुटपाथ तो कभी स्टेशन पर सोने की बात बताता तो मैं तड़प उठती लेकिन फिर धीरे धीरे मैंने उसे उसकी परिस्थितियों के हवाले छोड़ना शुरू कर दिया और शिखा के साथ घर की बाक़ी जिम्मेदारियों को निभाने में व्यस्त हो गई आख़िर करती भी तो क्या? लड़ना मुझे आता नहीं था, और शेखर से लड़कर मुझे मिलता भी क्या? वह मेरी कोई भी बात सुनने वाले नहीं थे। उनसे कुछ कहने से घर में सिर्फ़ अशांति ही पैदा होती, सो मैंने चुपचाप परिस्थितियों से जूझना सीख लिया था।मेरे सामने मेरी नन्हीं सी बच्ची शिखा भी थी जो कि इन सारी परिस्थितियों में पिस रही थी। मैं शिखा को सहज करना , उसके मन से डर निकलना चाहती थी ताकि उसके उदास चेहरे पर फिर से मुस्कान की आभा देख सकूं, उसका पालन –पोषण सही ढंग से कर सकूं।

हमने शिखा का एडमिशन नए स्कूल में करवा दिया था। उस समय वह नवीं कक्षा में थी। धीरे धीरे घर का माहौल सामान्य हो गया। शिखा को हंसते – मुस्कुराते देख मैं और शेखर भी मुस्कुराने की कोशिश करने लगे, हमारा हंसना शिखा की अच्छी परवरिश के लिए आवश्यक था।शिखा हम दोनों को हंसता – मुस्कुराता देखकर खुश थी।हमने स्वयं को शिखा की सही परवरिश में कोई कसर न रखने का निर्णय किया और शिखा का पालन – पोषण सहज भाव से होता रहा। कभी – कभी शिखा समीर को बहुत याद करती, मगर हम उसे समीर के भविष्य के प्रति आश्वस्त कर देते, कह देते कि – समीर बाहर काम करने गया है, काम पूरा हो जाएगा तो वह वापस आ जाएगा, और शिखा मान जाती।

यह सच सिर्फ़ मुझे मालूम है कि मैं शिखा को किस प्रकार समीर के लिए झूठी सांत्वना देती थी। मैं शिखा को तसल्ली तो दे देती थी मगर पहरों रोती थी, सारी रात जागती थी। नींद तो मुझे पहले भी कम आती थी, मेरे हालात ने मुझसे बची खुची हुई नींदें भी छीनकर मुझे अनिद्रा का रोगी बना दिया था। दिन भर घर के काम करने के बाद रात में थक हार कर लेटती तो बस करवटें बदलती रह जाती।

मेरे चेहरे पर उदासी का एक पक्का रंग चढ़ गया था, जो कभी नहीं उतरा।

शिखा की वजह से मुझे सहज रहना पड़ता था लेकिन मैं हर समय समीर को लेकर परेशान रहती थी। समीर दिल्ली काम तो करने गया था लेकिन उसके पास पैसे नहीं थे, और यह तो सच है कि – जिसके पास पैसे नहीं हों, उसके साथ कोई ऐसा चमत्कार भी नहीं होने वाला कि वह रातों रात पैसा कमाने लग जाए, और फिर जिसकी तक़दीर ने शुरू से ही दगाबाज़ी की हो उसके साथ अचानक कुछ भी अच्छा कैसे सही हो सकेगा? समीर को भटकना था वह भटकता रहा, कभी यहां तो कभी वहां। उसके सपने बड़े थे, काबिलियत कम थी, सो उसे संघर्ष तो करना ही था। इस बीच समीर ने नेहा के घरवालों को हमसे मिलने के लिए राज़ी कर लिया था। नेहा के माता पिता एक दिन हमसे मिलने आए, चूंकि वे हमारी ही जात बिरादरी के थे तो उन्हें नेहा का विवाह समीर से करने में कोई ऐतराज़ नहीं था।शेखर के ओहदे से वे बहुत प्रभावित थे। चूंकि उनकी बेटी समीर से प्रेम करती थी, और हर हाल में समीर से शादी करना चाहती थी इसलिए उन्हें समीर को स्वीकार ही करना था। अंततः यह बात तय हुई कि – जब दोनों बच्चों (समीर और नेहा)की उम्र विवाह योग्य हो जाएगी तो इनकी शादी कर दी जाएगी। सभी इस बात से आश्वस्त थे कि तब तक समीर किसी न किसी रोज़गार से लग ही जाएगा।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

दीपक चमके रात में, कविता की यूँ ज्योत।
कविवर को कहते सभी, ज्ञान प्रेरणा स्रोत
ज्ञान प्रेरणा स्रोत दिशा इस जग को देता।
भरता जग उल्लास , किसी से क्या वह लेता।।
कहती रचना आज, सुनाता अक्सर मुक्तक।
भटके कब जग राह, ज्ञान का जलता दीपक।।

आया सच जब सामने, हुई तभी पहचान।
असली उसके रूप को, जगत गया तब जान।।
जगत गया तब जान, बने वह भीगी बिल्ली।
छोड़ चले घर द्वार, छिपे वो जाकर दिल्ली।।
कहती रचना आज, मुखौटा किसको भाया।
देख जगत मे सत्य , हमेशा खुलकर आया।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

मैं विवाह करूंगी.. श्रद्धा कपूर ने अपनी शादी को लेकर किया ऐलान! फैंस हुए एक्साइटेड

बॉलीवुड गलियारों में काफी समय से एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के अफेयर की खबरें सुनने को मिलती रही हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को सार्वजनिक तौर पर स्वीकार नहीं किया है। वहीं, अब एक बार फिर श्रद्धा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार मामला सिर्फ डेटिंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बात उनकी शादी तक पहुंच गई है। दरअसल, हाल ही में श्रद्धा कपूर अपने ज्वेलरी ब्रांड को इंस्टाग्राम पर प्रमोट कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें वह वैलेंटाइन डे और ब्रेकअप पर हल्के–फुल्के अंदाज में बात करती नजर आईं। वीडियो में श्रद्धा ने कहा कि वैलेंटाइन डे के आसपास सबसे ज्यादा ब्रेकअप होते हैं और बजट खत्म होने की वजह से लोग महंगे गिफ्ट नहीं खरीद पाते, इसलिए उन्होंने खास वैलेंटाइन डे गिफ्ट तैयार किए हैं। इसी वीडियो के कमेंट सेक्शन में एक फैन ने उनसे सवाल कर लिया कि वह शादी कब करेंगी। आमतौर पर ऐसे सवालों से बचने वाली कई एक्ट्रेसेस के उलट, श्रद्धा ने इस सवाल का बेहद दिलचस्प और मजेदार जवाब दिया। उन्होंने लिखा, "मैं करूंगी, ये विवाह करूंगी।" बस फिर क्या था, श्रद्धा का यह जवाब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। श्रद्धा के इस जवाब के बाद फैंस और ज्यादा एक्साइटड हो गए। किसी ने उनसे शादी का प्रस्ताव रख दिया तो किसी ने लिखा कि अब ज्यादा इंतजार मत करवाइए। एक यूजर ने कमेंट किया, "मेरे साथ कर लो शादी," तो दूसरे ने लिखा, "वो दिन कब आएगा, प्यारी स्त्री?" वहीं कुछ फैंस ने तो सीधे–सीधे उन्हें जल्दी दुल्हन बनने की सलाह दे डाली। बता दें, श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के रिलेशनशिप की अफवाहें तब तेज हुई थीं, जब साल 2024 में दोनों को मुंबई में एक साथ डिनर डेट पर देखा गया था। इसके बाद से ही दोनों के अफेयर की खबरें लगातार सामने आने लगीं। हालांकि, श्रद्धा ने अब तक अपने और राहुल के रिश्ते पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। बताते चले राहुल मोदी पेशे से एक लेखक हैं और उन्होंने 'प्यार का पंचनामा 2' और 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी सफल फिल्मों की कहानी और पटकथा लिखी है। इंडस्ट्री में उनका नाम एक टैलेंटेड राइटर के तौर पर जाना जाता है। श्रद्धा कपूर के शादी को लेकर दिए गए जवाब ने उनके फैंस की उम्मीदें जरूर बढ़ा दी हैं। हालांकि, अब यह देखना दिलचस्प होगा कि यह मजेदार जवाब सिर्फ हंसी–मजाक था या वाकई आने वाले समय में श्रद्धा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कोई बड़ा ऐलान करने वाली हैं। फिलहाल, फैंस बेसब्री से उस दिन का इंतजार कर रहे हैं, जब उनकी फेवरेट 'स्त्री' के घर शहनाई बजेगी।

> "इसके बाद से ही दोनों के अफेयर की खबरें लगातार सामने आने लगीं। हालांकि, श्रद्धा ने अब तक अपने और राहुल के रिश्ते पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। बताते चले राहुल मोदी पेशे से एक लेखक हैं और उन्होंने 'प्यार का पंचनामा २' और 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी सफल फिल्मों की कहानी और पटकथा लिखी है। इंडस्ट्री में उनका नाम एक टैलेंटेड राइटर के तौर पर जाना जाता है। श्रद्धा कपूर के शादी को लेकर दिए गए जवाब ने उनके फैंस की उम्मीदें जरूर बढ़ा दी हैं।

हैप्पी पटेल के पीछे की कहानी, जानें विर दास ने कैसे किया आमिर खान को कन्विंस

वीर दास ने आमिर खान के साथ अपने अनुभव पर खुलकर बात की है। अपनी आने वाली डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस को लेकर वीर दास ने बताया कि जब कोई सुपरस्टार किसी प्रोजेक्ट पर सच्चे दिल से भरोसा करता है, तो वह उसे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ आगे बढ़ाता है। वीर दास ने कहा कि आमिर खान से मिलना उनके लिए थोड़ा डराने वाला अनुभव था, क्योंकि वह इंडस्ट्री में जिस ऊँचे मुकाम पर हैं, वहां तक पहुँचना आसान नहीं होता। उन्होंने बताया, "वह इतने बड़े स्तर पर हैं कि आप उनसे सामान्य बातचीत करने में भी झिझकते हैं। मैंने करीब 10 साल तक आमिर सर से बात नहीं की थी। फिर एक दिन मैंने उन्हें मैसेज किया और पूछा, 'आमिर सर, क्या मैं आपको कॉल कर सकता हूँ?' उन्होंने तुरंत जवाब दिया, 'हां, अभी कॉल करो।' फोन उठाते ही ऐसा लगा जैसे हम सालों से नियमित बात कर रहे हों।" वीर दास ने यह भी साझा किया कि उन्होंने आमिर खान के सामने कितनी स्पष्टता से अपनी फिल्म का आइडिया रखा। उन्होंने कहा, "मैंने उनसे साफ कहा कि मेरे पास एक फिल्म है और मैं चाहता हूं कि आप ही इसे बनाएं। अगर आप नहीं बनाएंगे, तो शायद कोई और भी नहीं बनाएगा।" इस पर आमिर खान ने बिना देर किए उन्हें अगले हफ्ते नैरेशन देने के लिए बुला लिया। वीर ने बताया कि उन्होंने अब तक कोई ऐसा सुपरस्टार नहीं देखा, जो इतनी सहजता से और इतनी जल्दी मिलने का समय दे। पहली नैरेशन के बाद कुल नौ बार स्क्रिप्ट पर चर्चा हुई। आमिर खान की सबसे बड़ी प्राथमिकता हमेशा कहानी और स्क्रिप्ट ही रही। नौ नैरेशन के बाद उन्होंने वीर से कहा, "थोड़े पैसे लो और फिल्म के पांच सीन शूट करके दिखाओ।" टेस्ट शूट देखने के बाद आमिर ने फिल्म को हरी झंडी दे दी। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस को वीर दास ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में मोना सिंह, शरीब हाशमी और मिथिला पालकर अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

करीना कपूर ने शेयर की वेकेशन फोटोज, विंटर लुक में किया सबको इम्प्रेस

एक्ट्रेस करीना कपूर खान बॉलीवुड इंडस्ट्री की खूबसूरत और शानदार हसीनाओं में से एक हैं, जो अपनी वर्क और प्रोफेशनल लाइफ को बैलेंस करके चलती हैं। वह अपने बिजी शेड्यूल के बीच भी फैमिली संग मस्ती के पल एंजॉय करने से कभी नहीं चूकतीं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने नए साल का स्वागत बेहद स्टाइलिश और सुकून भरे अंदाज में किया। अपने न्यू ईयर और विंटर वेकेशन की खूबसूरत तस्वीरें बेबो ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में बर्फ से ढकी पहाड़ियां, सर्दियों का खूबसूरत नजारा और शांत माहौल देखने को मिलता है। कुछ तस्वीरें आउटडोर हैं तो कुछ इनडोर, जो उनके वेकेशन के अलग–अलग पल दिखाती हैं। खास बात यह रही कि इन तस्वीरों में करीना कपूर के दोनों बेटे तैमूर अली खान और जहांगीर अली खान (जेह) भी नजर आए, जिन्होंने पोस्ट को और भी खास बना दिया। एक तस्वीर में करीना रेस्टोरेंट टेबल पर बैठी नजर आ रही हैं, जहां वह चेहरे के सामने मास्क पकड़कर मस्ती भरे अंदाज में पोज दे रही हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में वह घर के अंदर एक आरामदायक फायरप्लेस के पास बैठी दिखती हैं, जहां सर्द मौसम में गर्माहट और सुकून का एहसास झलकता है। इसके अलावा उन्होंने अपने ठहरने की जगह से बर्फ से ढके घरों का नजारा भी दिखाया, जिसने फैंस को उनके शांत और खूबसूरत वेकेशन स्पॉट की झलक दी। करीना के इस फोटो डंप में उनके बेटे तैमूर और जेह भी खास आकर्षण बने। एक तस्वीर में तैमूर खुशी–खुशी खाना खाते नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में वह अपना स्केटबोर्ड और हेलमेट पकड़े हुए किसी बिल्डिंग की ओर जाते दिखते हैं। वहीं जेह भी अपनी मां के साथ एक तस्वीर में नजर आए, जहां वह विंटर लुक में बेहद क्यूट लग रहे हैं।

तीनों मां–बेटे विंटर आउटफिट्स में परफेक्ट फैमिली वेकेशन वाइब दे रहे हैं। करीना ने इस पोस्ट के लिए कोई लंबा कैप्शन नहीं लिखा, बल्कि सिर्फ एक ब्लू दिल और स्नोफ्लेक इमोजी के साथ तस्वीरें शेयर कीं। उनके इस पोस्ट पर आलिया भट्ट, सोनम कपूर, करिश्मा कपूर, अनन्या पांडे, सोनाक्षी सिन्हा समेत कई सेलेब्स और फैंस ने प्यार भरे रिएक्शन्स दिए। वहीं वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म 'दायरा' की शूटिंग पूरी की है। यह एक इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन मेघना गुलजार कर रही हैं। फिल्म में करीना के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और फिलहाल पोस्ट–प्रोडक्शन फेज में है।

फिर लौट रही है सुपरहिट जोड़ी, आनंद एल राय और धनुष की भव्य प्रेम गाथा की तैयारी

फिल्म इंडस्ट्री में आनंद एल राय और धनुष की एक और बड़ी रीयूनियन को लेकर चर्चाएँ तेज हो गई हैं। 'तेरे इश्क में' की जबरदस्त सफलता के बाद, इंडस्ट्री के भरोसेमंद सूत्रों के मुताबिक यह क्रिएटिव जोड़ी एक बड़े पैमाने पर बनी पीरियड एक्शन रोमांटिक फिल्म पर विचार कर रही है, जिसे एक भव्य कैनवास पर माउंट किया जाएगा। 'रांझणा' से लेकर 'अतरंगी रे' और अब 'तेरे इश्क में' तक, आनंद एल राय और धनुष ने एक ऐसी साझेदारी बनाई है जो भावनात्मक जोखिम और मजबूत किरदारों पर आधारित कहानी कहने के लिए जानी जाती है। इन फिल्मों ने न सिर्फ धनुष की हिंदी फिल्म यात्रा को एक खास पहचान दी है, बल्कि आनंद एल राय को भी ऐसे फिल्ममेकर के तौर पर स्थापित किया है जो अपने कलाकारों से गहरे और दमदार परफॉर्मेंस निकलवाते हैं। इसी के साथ, बतौर निर्देशक और निर्माताकृअपने बैनर के तहत नए और अलग किस्म के कंटेंट को सपोर्ट करते हुएकृआनंद एल राय की इंडस्ट्री में मौजूदगी लगातार मजबूत हुई है। हालिया सफलताओं ने यह साफ कर दिया है कि वे बड़े स्केल पर सोचते हुए भी कहानी की भावनात्मक गहराई से समझौता नहीं करते। ऐसे में एक पीरियड एपिक उनके करियर का अगला स्वाभाविक (और साहसिक) कदम माना जा रहा है। वहीं धनुष, जिनकी फिल्म चॉइस हमेशा मास अपील और आर्टिस्टिक क्रेडिबिलिटी के बीच संतुलन बनाती है, उनके लिए पीरियड एक्शन रोमांस एक बिल्कुल नई सिनेमाई दुनिया खोल सकता है। अपनी तीव्र शारीरिक मौजूदगी और भावनात्मक रेंज के लिए पहचाने जाने वाले धनुष का इतिहास, संघर्ष और जुनून से भरी कहानी में उतरना किसी बदलाव से ज़्यादा, एक बड़ा विस्तार लगता है। हालांकि फिलहाल प्रोजेक्ट को लेकर सारी जानकारियाँ बेहद गोपनीय रखी गई हैं और कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों काकहना है कि यह फिल्म उनकी क्रिएटिव पार्टनरशिप को एक नए स्तर पर ले जाएगी। उद्देश्य यही बताया जा रहा है कि भावनाओं और भव्यता का संतुलन बनाया जाएकृजहाँ आनंद एल राय की सिग्नेचर स्टोरीटेलिंग बनी रहे और साथ ही बड़े पैमाने की सिनेमाई भव्यता भी देखने को मिले। और हवा दे रही है। अगर यह प्रोजेक्ट कन्फर्म होता है, तो यह डेवलपमेंट में मौजूद सबसे हाई–प्रोफाइल फिल्मों में से एक बन सकता हैकृऔर हिंदी सिनेमा पर अपनी गहरी छाप छोड़ चुकी इस जोड़ी के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत साबित हो सकता है।

रणवीर से टकराएंगे यश, सोशल मीडिया पर भिड़े फैंस बोले- 'इसे कच्चा खा जाएगी..'

गुरुवार को साउथ सुपरस्टार यश का फर्स्ट लुक फिल्म 'टॉक्सिक' से सामने आया। एक्टर का अंदाज देखकर उनके फैंस एक्साइटेड नजर आए। वहीं सोशल मीडिया पर रणवीर सिंह और यश के फैंस आपस में भिड़ गए। दरअसल, 19 मार्च को रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' रिलीज होगी, वहीं इस दिन यश की 'टॉक्सिक' भी सिनेमाघरों में आएगी। कौन बॉक्स ऑफिस का किंग बनेगा, यह तो फिल्म रिलीज के बाद पता चलेगा। लेकिन इससे पहले ही रणवीर और यश के फैंस एक–दूसरे के पसंदीदा एक्टर, उनकी फिल्मों पर निशाना साध रहे हैं। जानिए, क्या हैं फैंस के रिएक्शन? यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में उनका लुक, एक्शन देखकर फैंस दीवाने हो चुके हैं। लेकिन वहीं कुछ यूजर्स का कहना है कि 'टॉक्सिक' सिनेमाघरों में 'धुरंधर' का मुकाबला नहीं कर पाएगी। एक यूजर ने लिखा, 'टॉक्सिक के पास धुरंधर के सामने टिकने का कोई चांस नहीं है। 'धुरंधर 2' इसे कच्चा खा जाएगी। डर जाओ।' कोई 'धुरंधर 2' का दीवाना नजर आया तो किसी यूजर ने 'टॉक्सिक' को बॉक्स ऑफिस का किंग बता दिया। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'टॉक्सिक, वो तूफान जो राज करेगा। यश का किलर लुक, बेरहम अंदाज बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' को खा जाएगा। 'टॉक्सिक' मुकाबला करने नहीं आ रही, यह राज करने आ रही है। यश ट्रेंड्स को फॉलो नहीं करते, वह खुद एक स्टैंडर्ड सेट करते हैं।' कुछ फैंस तो मानकर चल रहे हैं कि 'टॉक्सिक' और यश ही फिल्म 'धुरंधर 2' को टक्कर दे सकते हैं। एक फैंस ने कमेंट करते हुए लिखा, 'यश की फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर क्रेज अलग ही लेवल पर है। यह 'धुरंधर 2' को टक्कर देने और हराने के लिए काफी मजबूत फिल्म है। 'केजीएफ' के तूफान के बाद यश उसी दीवानगी को फिर से लाने के लिए तैयार हैं। उनकी फिल्म 'टॉक्सिक' के बज और यश की जबरदस्त फैन फॉलोइंग को देखते हुए, धुरंधर 2 जरूर पोस्टपोन होगी। क्योंकि यश के साथ मुकाबला करना कभी आसान नहीं होता।' इस बात से कई फैंस सहमत नजर आए।

हड्डियों को गला रही हैं ये 6 चीजें, आज ही बंद कर दें खाना

हड्डियां शरीर का अहम हिस्सा मानी जाती हैं परंतु लोग अपने स्वास्थ्य के चलते इसका ध्यान नहीं देते। ज्यादातर लोग अपनी डाइट में ऐसे फूड्स का सेवन कर लेते हैं जो हड्डियों को धीरे–धीरे खोखला करते हैं। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे ही चीजें बताते हैं जिन्हें आपको अपनी डाइट से बाहर कर देना चाहिए। आइए जानते हैं इन फूड्स के बारे में....

कोल्ड ड्रिंक

इसमें फॉस्फोरिक एसिड पाया जाता है जो हड्डियों में से कैल्शियम निकाल देता है और हड्डियों को कमजोर बनाता है। ऐसे में अधिक मात्रा में इसका सेवन करने से हड्डियां कमजोर होती हैं।

हाई फ्रक्टोज कॉन सिरप

यह एक तरीके शुगर सिरप जैसा ही मीठा लिक्विड स्वीटर होता है जो कॉर्न स्टार्च को ब्रेक कर उसमें दूसरे एंजाइम्स मिलाकर तैयार किया जाता है। यह एक तरीके शुगर सिरप जैसा ही मीठा लिक्विड स्वीटर होता है जो कॉर्न स्टार्च को ब्रेक कर उसमें दूसरे एंजाइम्स मिलाकर तैयार किया जाता है।

कैफीन

सामान्य मात्रा में कैफीन का सेवन शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता लेकिन कॉफी, एनर्जी ड्रिंक्स और कैफीन वाला चीजें शरीर को कैल्शियम अवशोषण की प्रक्रिया बाधित करती हैं जिससे बोन डेंसिटी कम होने लगती हैं।

नमक की मात्रा कम कर दें

कुछ लोग खाने के ऊपर से नमक डालकर खाते हैं इसके अलावा कुछ पदार्थ नमक से भरपूर होते हैं जैसे प्रॉसेस्ड और फास्ट फूड यह शरीर में से यूरीन के जरिए कैल्शियम को निकालते रहते हैं, जिससे धीरे–धीरे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और इसके कारण ऑस्टियोपोरोसिस का रिस्क बढ़ जाता है।

प्रोटीन बढ़ा सकता है समस्या

प्रोटीन अच्छे स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक होता है लेकिन अत्यधिक प्रोटीन का सेवन लोग नॉन वेजिटेरियन से करते हैं जिसके कारण प्रोटीन शरीर से कैल्शियम को निकालने लगता हैं। ऐसे में यदि आप भी ज्यादा मात्रा में प्रोटीन खाते हैं तो सावधानी बरतें।

फास्ट फूड

फास्ट फूड में अनहेल्दी फैट, हाई सोडियम पाया जाता है और इसमें पोषक बिल्कुल भी मौजूद नहीं होते। ज्यादा समय तक इसका सेवन हड्डियों में परेशानी पैदा करता है। ऐसे में यदि आप हड्डियों की समस्या से जूझ रहे हैं तो फास्ट फूड को अपनी डाइट से बाहर कर दें।

कैल्शियम, अनिद्रा और जोड़ों का दर्द, हर तरह की कमजोरी दूर करेगा ये स्पेशल दूध

आजकल की भागदौड़ वाली लाइफस्टाइल और गलत खान– पान की वजह से शरीर में कमजोरी रहती है और जोड़े में दर्द की समस्या आम बात हो गई है। ऐसे में आप मखाने और दूध का मिलाकर सेवन कर सकते हैं। मखाने कैल्शियम का भंडार होते हैं और इसमें कई सारे पौष्टिक गुण होते हैं। वहीं दूध के पोषक तत्व मखानों को और ज्यादा पौष्टिक बना देते हैं। इसे रात को पीकर सोने से नींद भी बहुत अच्छी आती है और हार्ट भी हेल्दी रहता है। आइए आपको बताते हैं दूध और मखाने मिलाकर लेने के हेल्थ इमदमपिजे और इसके सेवन का तरीका...

हड्डियां होती हैं मजबूत

मखाने में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस और मैंगनीज जैसे तत्व पाए जाते हैं। दूध भी कैल्शियम और विटामिन व का एक बेहतरीन स्त्रोत है। दूध में भिगोए मखाने इन दोनों सुपरफूड्स के गुणों को एक साथ लेकर आते हैं। ये हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

डायबिटीज के लिए फायदेमंद

मखानों में मौजूद भरपूर मात्रा में फाइबर और मैग्नीशियम रक्त शर्करा के स्तर को कंट्रोल करने में मदद करता है, जो डायबिटीज रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद है।

स्किन की बढ़ती है ग्लो

मखानों में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स और अमीनो एसिड होता है जो त्वचा के लिए बहुत लाभकारी होता है। एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा की कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचाते हैं और इसे चमकदार बनाए रखने का काम करता है। वहीं इससे फाइन लाइंस और झुर्रियों कम हो जाती हैं।

मखाने वाले दूध के लिए सामग्री

दूध– 1 ग्लास

मखाने

बादाम– 10/12

खसखस

मिश्री या गुड़– 2/3 चम्मच

घी

बनाने की विधि

1. सबसे पहले बादाम और मिश्री को मिक्सी में दरदरा पीस लें। दोनों से अलग– अलग निकाल लें।

2. अब मखाने को ड्राई रोस्ट कर लें, जब तक ये क्रिस्पी न हो जाएं।

3. कुछ तवेंजमक मखानों को अलग कर लें और कुछ को मिक्सी में दरदरा पीस कर अलग निकाल लें।

5. एक पैन में आधा चम्मच घी लें और उसमें आधा चम्मच खसखस डालकर रोस्ट कर लें।

6. अब इसमें दूध डाल दें ।

7. इसके बाद ऊपर से कूटे हुए बादाम और मखाने डाल दें और दूध में उबाल आने दें।

8. अब बचे हुए साबत मखाने और स्वादानुसार मिश्री डाल दें।

9.बड़ा उबाल आने पर गैस की प्लेम लो करें और 2 मिनट तक दूध को पकने दें।

10. अब गैस बंद कर दें। इस मखाने वाले दूध का सेवन गुनगुना ही कीजिए।

नोट– इस दूध को 7–8 दिन तक हर दिन रात को सोने से पहले लें। इससे आपको बहुत अच्छी नींद आएगी और सुबह आप बहुत तरो– ताजा महसूस करेंगे। सर्दियों में कई लोगों को जोड़ों के दर्द की शिकायत रहती है, उन्हें इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

हनीमून को यादगार बनाने के लिए जाएं स्टाइलिश अंडरवाटर होटल, बिना तारीफ किए नहीं रह पाएगी पत्नी

आजकल शादी की डेट से लेकर हनीमून डेस्टिनेशन तक की सभी तैयारियां शादी से पहले ही कर ली जाती हैं। ऐसे में अगर आप भी हनीमून के लिए बेस्ट लोकेशन तलाश रहे हैं, तो आज हम आपको एकदम सपने सी लगने वाली कुछ जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

इन दिनों शादियों का सीजन चल रहा है। हांलाकि शादी की डेट से लेकर हनीमून डेस्टिनेशन तक की सभी तैयारियां शादी से पहले ही कर ली जाती हैं। ऐसे में अगर आपकी भी शादी होने वाली है और आप अच्छा हनीमून डेस्टिनेशन तलाश रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। सोचिए क्या हो जब आप सोने जाएं तो आपके आसपास मछलियां तैर रही हों। यह सोचने में तो बिलकुल सपने जैसा लग रहा है। लेकिन आप इस सपने को हकीकत में भी बदल सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने हनीमून के लिए जा सकते हैं। इन जगहों पर जाकर आपकी पार्टनर भी आपकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाएगी। तो आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

अटलांटिस, द पाम, दुबई

बता दें कि वास्तव में अटलांटिस एक सपने के सच होने जैसा है। यह दुनिया का सबसे स्टाइलिश अंडरवाटर होटल है। इस होटल में आप नीले पानी का एकदम साफ नजारा देख सकते हैं। होटल के अलावा ष्पदव अंडरवर्ल्ड नाम का एक रेस्तरां भी है, जो पानी के नीचे है। ऐसे में आप हनीमून के लिए यहां भी आ सकते हैं और अपनी वाइफ के साथ यहां के रोमांटिक खाने का लुत्फ उठा सकते हैं। इस होटल में एक रात ठहरने का खर्चा 60 से 70 हजार के आसपास है।

कॉनराड मालदीव रंगाली द्वीप होटल

कॉनराड मालदीव रंगाली द्वीप होटल में आप एक शानदार और बेहद आकर्षक नजारे देख सकते हैं। यहां रुकने पर आपको ऐसा लगेगा जैसे कि आप मछलियों के साथ–साथ चल रहे हैं। इस होटल में आपको मास्टर बेडरूम भी मिलेगा। जो 180 डिग्री घुमावदार होता है। इस होटल के कमरों में बाथरूम की फर्श से छत तक की खिड़कियां बनी हैं। वहीं आपको सुरंग वाला थिएटर भी मिलेगा। इस होटल में एक रात के लिए आपको 80,000 से 1,00,000 रुपए तक खर्च करने होंगे।

रिसॉर्ट्स वर्ल्ड सेंटोसा, सिंगापुर

आप हनीमून के लिए सिंगापुर भी जा सकते हैं। सिंगापुर के रिसॉर्ट्स वर्ल्ड सेंटोसा होटल 40,000 से अधिक मछलियों से भरे विशाल एक्वेरियम में डूबा हुआ एक रिजॉर्ट है। यहां आपको वह सब मिलेगा, जिसकी आप कल्पना करते हैं। ऐसे में आप यहां पर अपने पार्टनर के साथ शार्क, मछलियां और स्टिंगरे के झुंडों को पानी में तैरते हुए देख सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर चीन–इको फ्रेंडली स्टे और पोसीडॉन अंडरसी रिसॉर्ट्स, शिमाओ वंडरलैंड इंटरकांटिनेंटल जैसी शानदार जगहों पर हनीमून के लिए जा सकते हैं।

स्टील के पैन को आसानी से बना सकते हैं नॉन स्टिक, बस फॉलो करें ये सिंपल हैक्स, नहीं चिपकेगा खाना

किचन में खाना बनाने के लिए कई सारे बर्तनों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन स्टील के पैन में खाना बनाना सबसे झंझट का काम होता है। क्योंकि इसमें खाना चिपकने लगता है। इसलिए अधिकतर लोग खाना बनाने के लिए नॉन स्टिक पैन का इस्तेमाल करते हैं। वहीं कुछ घरों में आज भी स्टील के पैन में ही खाना बनाया जाता है। हांलाकि यह थोड़ा मुश्किल काम होता है। आमतौर पर खाना बनाने के लिए सबसे ज्यादा कुकर का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन सब्जी या चीला बनाने के लिए स्टील के पैन का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में स्टील के पैन पर खाना चिपकने से इसका स्वाद और टेक्सचर दोनों ही खराब हो जाते हैं और पैन भी खराब होने लगते हैं।

अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस समस्या से निपटने के लिए छोटे–छोटे और आसान टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में इन ट्रिक्स के जरिए आप भी इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

स्टील के पैन को बना लें नॉन स्टिक पैन

हांलाकि यह आपको सुनने में भले ही थोड़ा अजीब लग रहा हो, लेकिन आप स्टील के पैन को नॉन स्किक पैन में बदल सकते हैं। इसके लिए आप स्टील के पैन को तेज आंच पर गर्म कर लें। फिर उसपर पानी की छींटे मारें, ऐसा करने पर पानी की बूंद मोतियों की तरह उछलती दिखेंगी। इसके बाद 2–3 बूंद तेल डालकर एक टिशू पेपर की मदद से इसे पूरे पैन पर फैला लें। इस आसान उपाय से स्टील का पैन नॉन स्टिक पैन में तब्दील हो जाएगा।

नमक के पानी में उबाल लें सब्जी

पैन में खाना तब चिपकता है, जब यह बिलकुल सूखा होता है। ऐसे में अगर आप ज्यादा तेल का इस्तेमाल करते हैं, तो यह आपकी सेहत के लिए फायदेमंद नहीं होता है। इसलिए सब्जी आदि पैन में न चिपके इसके लिए आप सब्जी को पहले उबाल लें। वहीं गंठल वाली सब्जी को नमक के पानी में उबाल लें। इसके बाद पैन में मसाले डालकर पका लें। फिर जब सब्जी उबल जाए तो इसे पैन में डालकर पका लें। इससे न सिर्फ आपका समय बचेगा बल्कि गैस भी कम खर्च होगी।

हल्की आंच का इस्तेमाल

पैन में खाना बनाने के दौरान हल्की आंच का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे खाना अच्छा बनेगा और पैन में चिपकेगा भी नहीं। वहीं तेज आंच में खाना तो पक जाता है, लेकिन यह अंदर से कच्चा ही रह जाता है। इसलिए हमेशा हल्की आंच पर खाना पकाना चाहिए। वहीं खाना पकाने के दौरान पैन को ऊपर से ढक लें। पैन को ढक देने से भाप बाहर नहीं आती और सब्जी जल्दी पक जाती है।

ऐसे साफ करें पैन में जला हुआ खाना

पैन जल जाने पर उसके निशानों को हटाने के लिए आप बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा आप ईंट के टुकड़े से भी पैन को साफ करके देखना चाहिए। इससे भी आपका पैन नए जैसा चमकने लगेगा। लेकिन आइए जानते हैं कि बेकिंग सोडा से आप किस तरह पैन की सफाई कर सकते हैं।

ऐसे करें साफ

जले हुए बर्तन को साफ करने के लिए आप बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकते हैं। बेकिंग सोडा से साफ करने के लिए सबसे पहले जले हुए बर्तन में पानी भर लें। फिर उसमें 2 चम्मच बेकिंग सोडा डालकर इसे तेज आंच पर गर्म कर लें। बेकिंग सोडा वाले इस पानी को 20–30 मिनट तक उबलने दें। फिर ईंट के टुकड़े की मदद से इसे साफ कर लें और साबुन से पैन की सतह को धो लें। इस आसान तरीके से पैन साफ हो जाएगा।

संक्षिप्त

बजट से पहले स्टील उद्योग को लेकर एसोचौम का रोडमैप, कार्बन उत्सर्जन कम करने पर सरकार से मांगा सहयोग

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय बजट से पहले उद्योग संगठन एसोचौम ने स्टील उद्योग के डीकार्बोनाइजेशन को तेज करने के लिए सरकार से नीतिगत समर्थन की अपील की है। संगठन ने हाइड्रोजन आधारित डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन के लिए इंसेंटिव, रियायती ग्रीन फाइनेंस, वेस्ट–हीट रिकवरी सिस्टम और रिन्यूएबल कैप्टिव पावर प्लांट्स को बढ़ावा देने का सुझाव दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को संसद में वित्त वर्ष 2026–27 का केंद्रीय बजट पेश करने वाली हैं। इससे पहले जारी प्री–बजट सिफारिशों में एसोचौम ने कहा कि डीकार्बोनाइजेशन, जहां एक बड़ी चुनौती है, वहीं यह वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत के लिए बड़ा अवसर भी बन सकता है। संगठन ने स्क्रैप कलेक्शन और रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहन देने पर भी जोर दिया है। एसोचौम के मुताबिक, घरेलू रीसाइक्लिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और स्किलिंग बढ़ाने से आयात पर निर्भरता कम होगी। हालांकि, संगठन ने स्टील सेक्टर की चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिलाया। चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक होने और 8 से 9 फीसदी की मजबूत ग्रोथ के बावजूद, सेक्टर को ऊंची इनपुट लागत, रुपये की कमजोरी और कोकिंग कोल के भारी आयात पर निर्भरता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि देश में इसके खनन योग्य भंडार बेहद सीमित हैं। इसके अलावा, संगठन ने कहा कि लौह अयस्क का उत्पादन ठहरा हुआ है और नीलाम की गई कई खदानें अभी तक उत्पादन शुरू नहीं कर पाई हैं। बढ़ती घरेलू मांग और आयरन ओयर के निर्यात से आपूर्ति पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे घरेलू स्टील मिलों की लागत बढ़ रही है। एसोचौम का मानना है कि आने वाला केंद्रीय बजट भारत को स्टील और वैल्यू–एडेड उत्पादों के लिए वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का अहम मौका है, खासकर मेक इन इंडिया पहल के तहत। इसके लिए संगठन ने लौह अयस्क के शोधन को बढ़ावा देने, जरूरी कच्चे माल पर आयात शुल्क हटाने और रॉयल्टी की गणना में दोहरे कर को खत्म करने की मांग की है। साथ ही, स्टील रीसाइक्लिंग, एलॉय इनोवेशन और प्रकिया डिजिटलीकरण में अनुसंधान व विकास को प्रोत्साहन देने से उत्पादकता बढ़ेगी और विशेष इस्पात के आयात पर निर्भरता कम होगी।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में जीत से शीर्ष पर दावा किया मजबूतय इंग्लैंड की स्थिति भारत से भी खराब

दुबई,एजेंसी। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025–27 के पॉइंट्स टेबल में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड पर सिडनी में मिली जीत के बाद शीर्ष पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। दूसरी ओर इंग्लैंड की स्थिति भारत से भी खराब है, जबकि भारत फिलहाल छठे स्थान पर है। सिडनी में खेले गए एशेज के पांचवें और आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर सीरीज 4–1 से अपने नाम की। इंग्लैंड ने 160 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे मेजबान टीम ने पांचवें दिन मात्र 31.2 ओवर में हासिल कर लिया। इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहली पारी में जो रूट (160) की बदौलत 384 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड (163) और स्टीव स्मिथ (138) के शतकों से 567 रन ठोककर 183 रन की बढ़त ले ली। दूसरी पारी में जैकब बेथेल (154) के शतक के बावजूद इंग्लैंड 342 पर ढेर हो गया और ऑस्ट्रेलिया को 160 का लक्ष्य मिला था। सिडनी जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने डब्ल्यूटीसी के 2025–27 चक्र में आठ में से सात मैच जीतकर 87.50प्रतिशत अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर कब्जा मजबूत किया है। उनकी सीरीज फॉर्म भी बेहद प्रभावी रही है, जिसने डब्ल्यूटीसी फाइनल रेस में उन्हें आगे कर दिया है। टीम को एकमात्र हार इंग्लैंड से एशेज सीरीज के दौरान मेलबर्न में मिली थी। इंग्लैंड इस समय मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में 10 मैचों में तीन जीत और छह हार के साथ 31.67: अंक प्रतिशत पर है और सातवें स्थान पर है, यानी भारत से भी नीचे। इंग्लैंड की हालिया सीरीज फॉर्म में चार हार साफ दिखाती है कि टीम को टेस्ट प्रारूप में अभी बहुत सुधार की जरूरत है।

ऑस्ट्रेलिया में फिर बेनकाब हुई रणनीतिय आंकड़े देख चौंक जाएंगे

सिडनी,एजेंसी। एशेज 2025/26 के बाद सामने आए आंकड़ों ने बता दिया कि इंग्लैंड की बैजबॉल रणनीति कागज पर चाहे कितनी रोमांचक लगे, लेकिन नतीजों में वह उतनी प्रभावी नहीं रही। इस सीरीज ने रनों की रफ्तार, कैचिंग दक्षता और विकेटकीपर के परफॉर्मेंस जैसे कई पहलुओं को उजागर किया। सबसे अहम तथ्य यह रहा कि बैजबॉल युग में इंग्लैंड का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसी टॉप टीमों के खिलाफ बेहद खराब है। एशेज 2025ः26 ऑस्ट्रेलिया में हुआ और इस दौरान कुछ मैचों में दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने बेहद आक्रामक अंदाज में रन बनाए। टेस्ट इतिहास के न्यूनतम चार मैच वाले द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में एशेज 2025/26 इतिहास की सबसे तेज रनरेट (4.07) वाली सीरीज रही, जो तेज रन बनाने और मैच निकालने की मानसिकता को दिखाता है।

महिला प्रीमियर लीग का आगाज कल से, टीम और कप्तान से लेकर शेड्यूल और समय तक, यहां पढ़ें पूरी जानकारी

नवी मुंबई,एजेंसी। 2025 अब बीते समय की बात हो चुकी है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम का वनडे विश्व कप खिताब यादों में दर्ज हैं, लेकिन क्रिकेट कभी रुकता नहीं। व्यस्त इंटरनेशनल सीजन के बाद अब फोकस महिला प्रीमियर लीग यानी डब्ल्यूपीएल पर शिफ्ट हो गया है, जो भारत में महिलाओं की प्रमुख टी20 लीग है। यह लीग नौ जनवरी से पांच फरवरी तक नवी मुंबई और बड़ौदा में खेली जाएगी। चार हफ्तों तक 22 मैचों का हाई–वोल्टेज क्रिकेट देखने को मिलेगा। मुंबई इंडियंस और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को खिताब जीतने का अनुभव है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स हर बार फाइनल तक पहुंचकर भी आखिरी कदम पर चूक गई है। यूपी वॉरियर्स और गुजरात जाएंट्स ने चमक दिखाई है, लेकिन अब भी ट्रॉफी के इंतजार में हैं। इस बार का सीजन पिछले तीन संस्करणों से अलग होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि भारतीय टीम की सफलता के बाद दर्शकों का उत्साह, स्टेडियम का माहौल और खिलाड़ियों की लोकप्रियता नए स्तर पर पहुंच चुकी है। हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा और शेफाली वर्मा अब सिर्फ चेहरे नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आइकॉन बन चुकी हैं।

इस बार भारतीय महिला खिलाड़ी दबाव में नहीं, बल्कि कामयाबी के आत्मविश्वास के साथ उतरेंगी...एक विश्व चौंपियन के तौर पर उतरेंगी और उम्मीदों पर खरी उतरने के लिए पूरा दमखम लगाती दिखेंगी। 2007 टी20 विश्व कप जीत के बाद जिस तरह आईपीएल ने भारतीय पुरुष क्रिकेटरों की तकदीर बदल दी थी, कुछ वैसे ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम के चौंपियन बनने के बाद यह लीग अब खिलाड़ियों की कामयाबी में चार चांद लगाती दिखेगी। 2026 में इंग्लैंड में महिला टी20 विश्व कप होना है, इसलिए महिला प्रीमियर लीग खिलाड़ियों के लिए तैयारी का मैदान भी बनेगा। यहां प्रदर्शन, स्किल्स और प्लानिंग सीधे विश्व कप कॉम्बिनेशन को प्रभावित करेगी।पिछले सीजन ने क्रांति गौड़, काश्वी गौतम और श्री चरणी जैसी नई प्रतिभाएं दीं और इस बार भी नए नाम सामने आने की पूरी उम्मीद है। इसलिए डब्ल्यूपीएल अब सिर्फ लीग नहीं, बल्कि भविष्य के क्रिकेटर तैयार करने की फैक्ट्री बन चुकी है।

दोपहर वाले मैच भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे (3:30 PM IST) बजे शुरू होंगे, जबकि रात वाले मैच शाम साढ़े सात बजे (7:30 PM IST) शुरू होंगे। टॉस इससे आधे घंटे पहले होगा, यानी साढ़े तीन बजे शुरू होने वाले मैच का टॉस तीन बजे और शाम साढ़े सात बजे शुरू होने वाले मैच का टॉस सात बजे होगा। मुंबई इंडियंस ने 2023 में खिताब जीता था, जबकि रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु ने 2024 में चैंपियनशिप जीती थी। अब देखना दिलचस्प होगा कि 2026 में कौन सी टीम ट्रॉफी पर कब्जा जमाती है। अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को एलिमिनेटर खेलना होगा।

मुंबई इंडियंस– हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जी कमलिनी (विकेटकीपर), रहीला फिरदौस (विकेटकीपर), हेले मैथ्यूज, अमनजोत कौर, एमीलिया केर, नैट शीवर–ब्रंट, निकोला कैरी, शबनिम इस्माइल, पूनम खेन्मार, मिली इलिंगवर्थ, एस सजाना, संस्कृति गुप्ता, सायका इशाक, क्रांति रेड्डी, त्रिवेणी वशिष्ठ।

रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु– स्मृति मंधाना, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जॉर्जिया वॉल, गौतमी नाइक, ग्रेस हैरिस, नादिन डी क्लर्क, पूजा वस्त्राकर, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, अरुंधति रेड्डी, लॉरेन बेल, डी हेमलता, सयाली सतघरे (एलिस पेरी की जगह), प्रेमा रावत, लिन्सी स्मिथ, कुमार प्रत्युशा।

दिल्ली कैपिटल्स– जेमिमा रॉड्रिग्स (कप्तान), तान्या भाटिया (विकेटकीपर), एम ममता (विकेटकीपर), एल वोल्वार्ट, शेफाली वर्मा, मरिजाने कैप, चिनेल हेनरी, लिजेल ली, एलाना किंग (एनाबेल सदरलैंड की जगह), लूसी हैमिल्टन, स्नेह राणा, मिन्नू मणी, श्री चरणी, दिया यादव, निक्की प्रसाद, नंदनी शर्मा।

नोट–एनाबेल सदरलैंड बाहर, उनकी जगह एलाना किंग शामिल।

यूपी वॉरियर्स– मेग लैनिंग (कप्तान), श्वेता सेहरावत (विकेटकीपर), शिप्रा गिरी (विकेटकीपर), किरण नवगिरे, हरलीन देओल, फीबी लिचफील्ड, दीप्ति शर्मा, डिएंड्रा डॉटिन, सोफी एक्लेस्टोन, आशा सोभना जॉय, शिखा पांडे, क्रांति गौड़, प्रतिका रावल, सिमरन शेख, क्लो ट्रायोन, जी त्रिशा, सुमन मीणा, चार्ली नॉट।

नोट– महिला टी20 विश्व कप क्वालिफायर के लिए यूएसए टीम में चुने जाने के बाद तारा नॉरिस ने नाम वापस ले लिया। उनकी जगह चार्ली नॉट को टीम में शामिल किया गया है।

गुजरात जाएंट्स– एशले गार्डनर (कप्तान), बेथ मूनी (विकेटकीपर), यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), शिवानी सिंह (विकेटकीपर), डैनी वायट–हॉज, सोफी डिवाइन, जॉर्जिया वेयरहैम, किम गार्थ, रेणुका सिंह ठाकुर, तितास साधू, तनुजा कंवर, काश्वी गौतम, कनिका आहूजा, राजेश्वरी गायकवाड़, भारती फुलमाली, हैप्पी कुमार, अनुष्का शर्मा, आयुषी सोनी।

भाई, ये सब क्या है! 14 साल के वैभव ने ऐसा क्या किया जिससे अश्विन भी रह गए हैरान ?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में समय–समय पर कोई ऐसा युवा खिलाड़ी आता है, जो उम्मीदों के पैमाने बदल देता है। इस समय वही नाम हैं– वैभव सूर्यवंशी। सिर्फ 14 साल की उम्र में यह बाएं हाथ का बल्लेबाज जिस स्तर की बल्लेबाजी कर रहा है, उसने दिग्गजों को भी चकित कर दिया है। भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने वैभव की बल्लेबाजी का जिक्र करते हुए एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा और बताया कि पिछले 30 दिनों में वैभव ने घरेलू और अंडर–19 क्रिकेट में किस तरह का कोहराम मचाया है। उन्होंने वैभव की जमकर तारीफ की और कहा कि आने वाला समय भारतीय क्रिकेट के लिए सुनहरा है।

अश्विन भी रह गए दंग

अश्विन ने लिखा, 171 रन (95 गेंद), 50 रन (26 गेंद), 190 रन (84 गेंद), 68 रन (24 गेंद), 108 रन (61 गेंद), 46 रन (25 गेंद) और अब 127 रन (74 गेंद)! वैभव सूर्यवंशी के ये पिछले 30 दिनों में घरेलू और अंडर–19 क्रिकेट में बस कुछ स्कोर हैं। भाई ये क्या है? इतना काफी है या अभी अपने स्तर को और ऊपर ले जाओगे? शब्दों में नहीं बताया जा सकता कि यह बच्चा 14 की उम्र में क्या कर रहा है। अश्विन की यह प्रतिक्रिया सिर्फ प्रशंसा नहीं, बल्कि उस प्रदर्शन का आईना है जिसे देख क्रिकेट जगत उत्साहित है। अश्विन का पोस्ट वैभव की बुधवार को खेली गई पारी के बाद आया है। वैभव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 74 गेंदों में 127 रन बनाए। इस पारी में 10 छक्के और नौ चौके शामिल थे। उन्होंने भारत अंडर–19 टीम को 393ध7 के स्कोर तक पहुंचाया और भारत ने 233 रन से जीतकर सीरीज 3–0 से अपने नाम की। बतौर कप्तान वैभव की यह पहली सीरीज थी और उसमें उन्होंने चमक बिखेरी। अंडर–19 विश्व कप बस आने ही वाला है और वैभव को शोस्टॉपर माना जा रहा है।

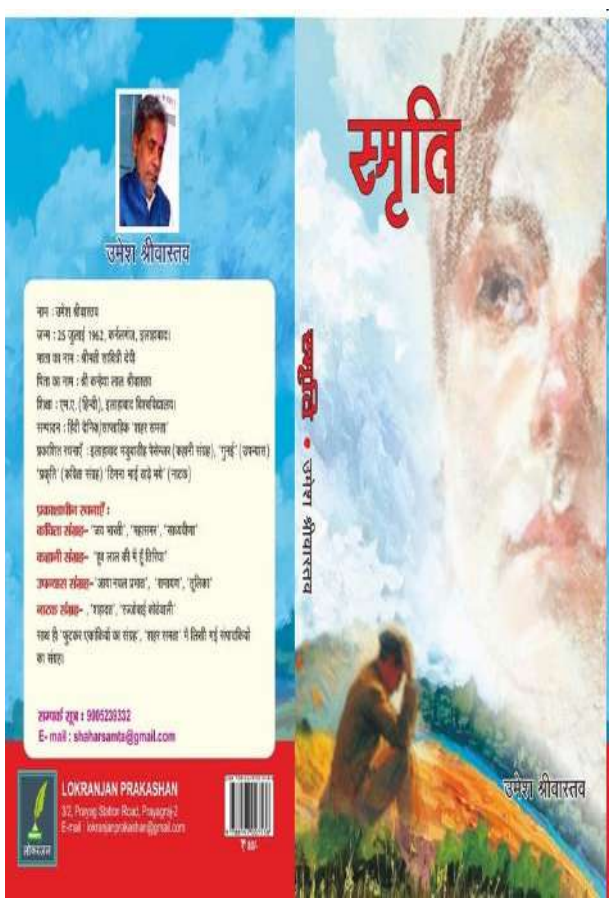

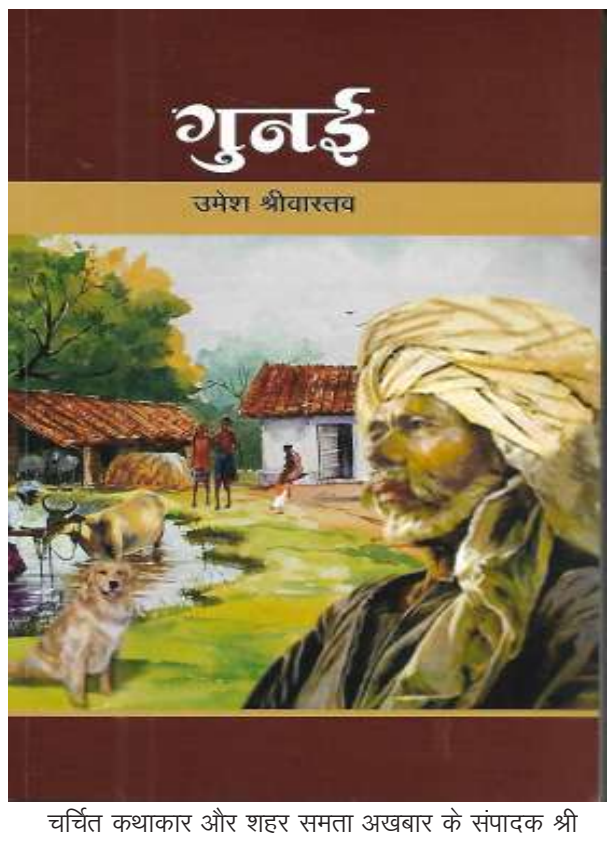

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

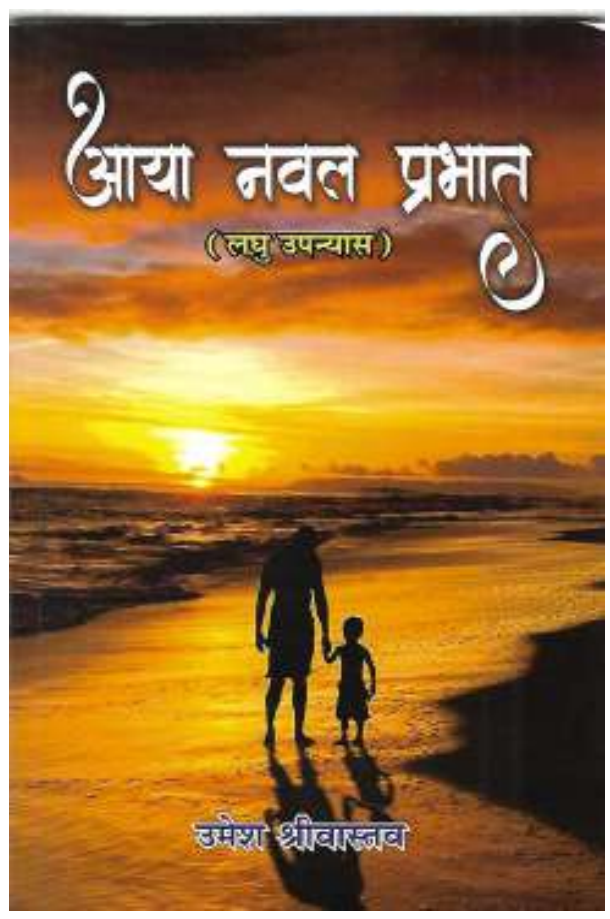

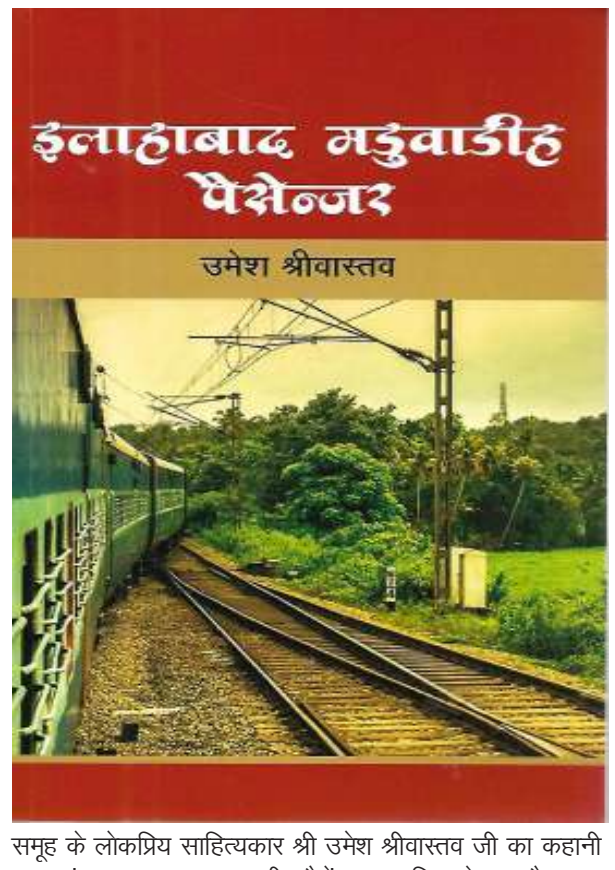

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

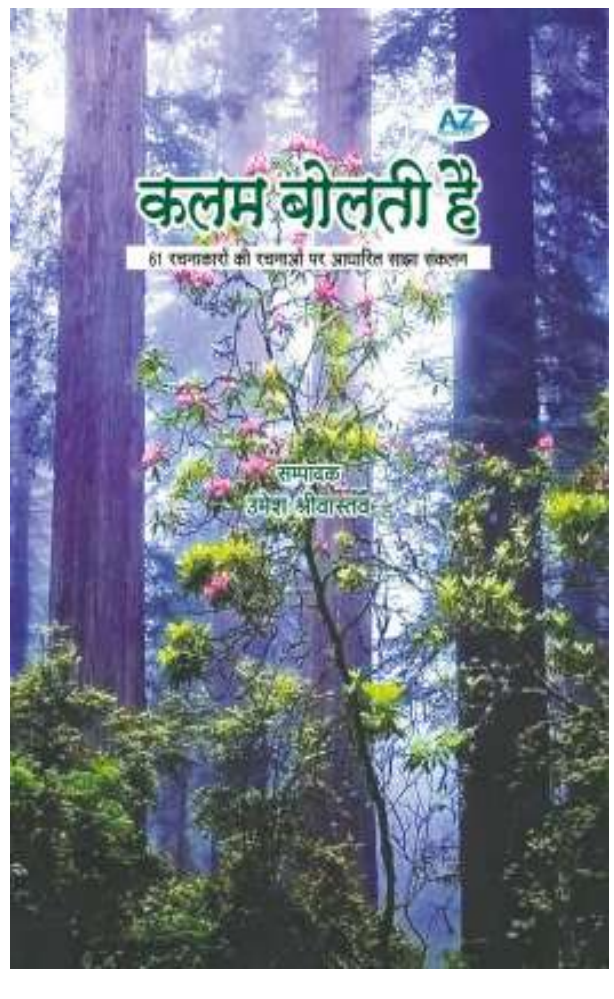

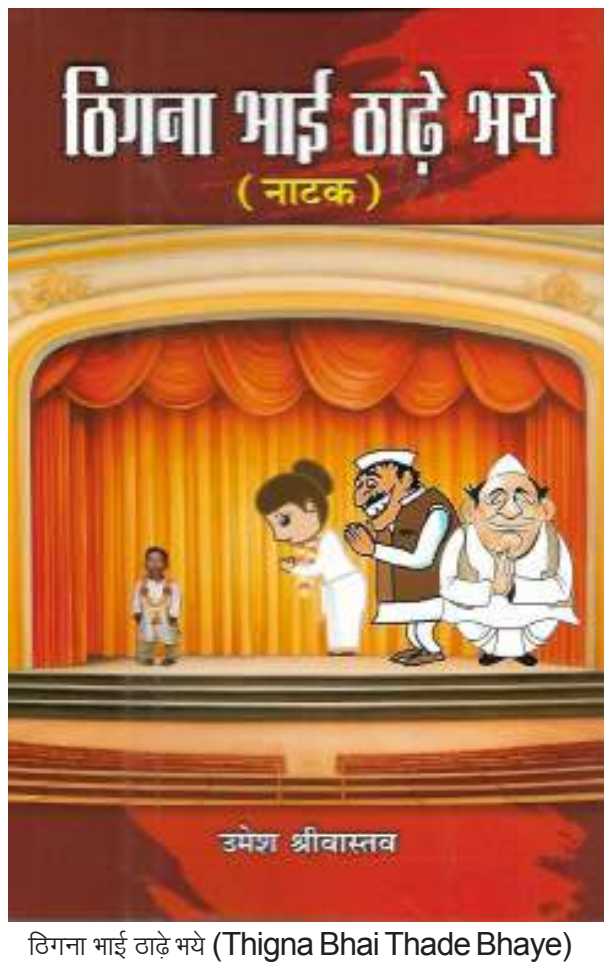

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बीएनपी नेता की गोली मार कर हत्या, बांग्लादेश में नहीं थम रही चुनाव से पहले हिंसा

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश में युवा नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद से ही चुनाव पूर्व राजनीतिक हिंसा जारी है। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की स्वयंसेवी शाखा स्वेच्छासेवक दल के नेता अजीजुर रहमान मुसब्बीर की मंगलवार रात हत्या कर दी गई। पुलिस और पार्टी सूत्रों ने बताया कि राजधानी ढाका में अज्ञात हमलावरों ने मुसब्बीर की गोली मारकर हत्या कर दी। बांग्लादेश में आगामी 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले हिंसा बढ़ने के चलते मोहम्मद यूनुस के नेतृत्ववाली अंतरिम सरकार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। गौरतलब है कि उस्मान हादी के परिजनों ने भी यूनुस पर चुनावों को टालने के लिए उनकी हत्या का आरोप लगाया था। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार बीएनपी की स्वयंसेवी शाखा स्वेच्छासेवक दल के महासचिव मुसब्बीर को ढाका के कारवान बाजार स्थित सुपर स्टार होटल के पास रात करीब 8:30 बजे अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। ढाका महानगर पुलिस (तेजगांव जोन) के अतिरिक्त उपायुक्त फजलुल करीम ने बताया कि उन्हें पंथापथ स्थित बीआरबी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, इस हमले में एक शख्स सुफियान मसूद घायल हो गया, जो तेजगांव थाना वन श्रमिक संघ के महासचिव हैं। पार्टी सदस्यों ने बताया कि मुसब्बीर ने शाम को सुपर स्टार होटल में शरीयतपुर के निवासियों के एक समूह के साथ एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके बाद मुसब्बीर और मसूद पास की एक गली में चल रहे थे, तभी दो लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं। पुलिस ने बताया कि हमलावर पैदल ही मौके से फरार हो गए। इस घटना के बाद स्थानीय बीएनपी कार्यकर्ताओं सहित लोगों के एक समूह ने सोनारगांव चौराहे के पास विरोध प्रदर्शन किया। परिवार के सदस्यों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि मुसब्बीर ने अपना अधिकांश समय अवामी लीग शासन के दौरान जेल में बिताया और कई राजनीतिक मामलों में उन्हें बार–बार गिरफ्तार किया गया।

कोलंबिया पर ट्रंप ने मारी पलटी! पहले दी हमले की धमकी, अब गुस्तावो पेट्रो को बुलाया व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन,एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अपने कोलंबियाई समकक्ष गुस्तावो पेट्रो के बारे में अपना रुख अचानक बदल दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों के बीच एक सौहार्दपूर्ण फोन कॉल हुई थी और उन्होंने दक्षिण अमेरिकी देश के नेता को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया था। ट्रंप ने बुधवार रात अपनी सोशल मीडिया साइट पर पोस्ट करते हुए कहा, कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो से बात करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात थी, जिन्होंने ड्रग्स की स्थिति और हमारे बीच हुए अन्य मतभेदों को समझाने के लिए फोन किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, मुझे उनका फोन और लहजा पसंद आया। मैं निकट भविष्य में उनसे मिलने की उम्मीद करता हूं। ट्रंप ने कहा कि बैठक व्हाइट हाउस में होगी। यह घटना ट्रंप की ओर से पिछले हफ्ते वेनेजुएला में अमेरिकी अभियान के मद्देनजर यह कहने के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है कि कोलंबिया भी बहुत बीमार है। डोनाल्ड ट्रंप ने बयान में गुस्तावो पेट्रो पर कोकीन बनाने और उसे अमेरिका को बेचने का आरोप लगाया था। उन्होंने आगे कहा, वह इसे बहुत लंबे समय तक नहीं कर पाएगा, मैं आपको बता दूं। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या अमेरिका का हस्तक्षेप संभव है, तो उन्होंने जवाब दिया, मुझे तो यह अच्छा लगता है। दोनों नेताओं के बीच कई महीनों से तल्ख टिप्पणियों के जरिए वार–पलटवार होता रहा है। वहीं, वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पकड़कर न्यूयॉर्क ले जाने पर गुस्तावो पेट्रो ने नाराजगी जताई। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकियों पर भी कड़ी प्रतिक्रिया दी। कोलंबिया के पहले वामपंथी नेता पेट्रो ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा, श्मैंने कसम खाई थी कि मैं फिर कभी हथियार नहीं उठाऊंगा। लेकिन देश के लिए मैं फिर से हथियार उठाऊंगा।श गौरतलब है कि अमेरिका ने पेट्रो और उनके परिवार पर वित्तीय प्रतिबंध लगाए हैं और कोलंबिया को ड्रग युद्ध में अमेरिका के सहयोगी देशों की सूची से हटा दिया गया।

पेरिस में वीमर फॉर्मेट की पहली बैठक में शामिल हुए जयशंकर, यूक्रेन समेत इन मुद्दों पर हुई चर्चा

पेरिस,एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पेरिस में भारत वीमर प्रारूप के पहले बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में भारत के साथ पोलैंड, फ्रांस और जर्मनी के विदेश मंत्री भी शामिल हुए। पोलैंड की ओर से उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की, फ्रांस के विदेश मंत्री जीन नोएल बैरोट और जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वेडफुल मौजूद थे। इस बैठक में तीन अहम मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें पहला भारत और यूरोपीय संघ के रिश्ते। दूसरा इंडो पैसिफिक क्षेत्र की स्थिति और तीसरा यूक्रेन से जुड़ा संघर्ष का मुद्दा। इस बैठक के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि यह नया फॉर्मेट भारत और यूरोप के बीच जुड़ाव को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि भारत का यूरोप के साथ रिश्ता सिर्फ ब्रसेल्स तक सीमित नहीं है बल्कि यूरोपीय संघ के अलग अलग देशों के साथ भी लगातार आगे बढ़ रहा है। ऐसे में छोटे समूहों में बातचीत करना भी जरूरी हो जाता है और यही इस बैठक का मकसद है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

रूसी पोत झंडा–पेंट और नाम बदलकर अमेरिकी सेना को चकमा दे रहा था, लंबी जद्दोजहद के बाद हुआ जब्त

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका ने रूस के तेल टैंकर मारिनेरा को अटलांटिक महासागर में तब्त कराया, जो पहले बेला 1 नाम से जाना जाता था। यह टैंकर लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने की कोशिश कर रहा था, लेकिन दो सप्ताह से अधिक नाटकीय पीछा के बाद अमेरिकी तट रक्षक और सैन्य बलों ने इसे रोका। यह पहली बार माना जा रहा है कि हाल के वर्षों में अमेरिका ने रूसी झंडे वाला तेल टैंकर जब्त किया है। यह जहाज पहले ईरान से आया, स्वेज नहर और जिब्राल्टर पार कर रहा था और वेनेजुएला से तेल लेने की योजना बना रहा था, जब अमेरिका ने अपने प्रतिबंधों को कड़ा कर दिया। 21 दिसंबर को कैरिबियन सागर में अमेरिकी तटरक्षक बल ने टैंकर को रोका,

जब यह अभी भी बेला 1 नाम से चल रहा था। अधिकारियों का कहना था कि जहाज वैध राष्ट्रीय झंडा नहीं फहराता था, जिससे उसके पास जब्ती वारंट था। लेकिन चालक दल ने बोर्डिंग की अनुमति नहीं दी और जहाज ने अटलांटिक की ओर भागने की कोशिश की, जबकि अमेरिकी बल लगातार उसे ट्रैक करते रहे। टैंकर के चालक दल ने अपने आप को बचाने के लिए सबसे पहले जहाज के बाहरी हिस्से पर रूसी झंडा पेंट किया। अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के तहत ऐसा झंडा फहराने पर जहाज उस देश के संरक्षण में माना जाता है। लेकिन अमेरिकी अधिकारियों का कहना था कि यह प्रयास विफल रहा क्योंकि जहाज ने पहली बार बोर्डिंग के समय कोई वैध झंडा नहीं फहराया था। इसके बाद इसे नाम बदलकर श्मारिनेराश कर दिया गया और रूस के आधिकारिक शिपिंग रजिस्ट्री में शामिल किया गया, जिसके होम पोर्ट के रूप में सोची को दर्शाया गया।

रूस ने औपचारिक रूप से अमेरिका से अनुरोध किया कि इस टैंकर का पीछा बंद किया जाए। रिपोर्ट्स के अनुसार यह अनुरोध न्यू ईयर ईव पर अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट को दिया गया था। अमेरिका ने इसके बावजूद पीछा जारी रखा, यह कहते हुए कि जहाज अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रहा है और ईरानी तेल ले जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में पश्चिमी निगरानी विमान टैंकर के ऊपर नियमित उड़ान भरते रहे, जिसमें आइसलैंड स्थित अमेरिकी बेस और ब्रिटिश P-8 पोसिडॉन विमान शामिल थे, जो समुद्री स्थिति का विस्तृत सर्वे करते हैं। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि रूसी नौसेना ने इस टैंकर की सुरक्षा के लिए सबमरीन भी तैनात की थी। बुधवार को अमेरिकी तट रक्षक ने आखिरकार मारिनेरा को उत्तरी अटलांटिक में जब्त कर लिया। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि प्रतिबंधित तेल के खिलाफ यह कार्रवाई पूरी दुनिया में लागू है। विश्लेषकों का मानना है कि यह टैंकर शैडो फ्लीट का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल रूस, ईरान और वेनेजुएला के लिए तेल ले जाने में किया जाता है और यह अमेरिका द्वारा पहले ही 2024 में प्रतिबंधित किया जा चुका था। यह आरोप भी था कि जहाज ने अवैध कार्गो ले जाया था, जिसके कारण उस पर प्रतिबंध लगाया गया।

यमन संकट के बीच सुरक्षित भारत लौटी भारतीय युवती, सोकोत्रा द्वीप से रक्की गोपाल का सफल रेस्क्यू

नई दिल्ली,एजेंसी। यमन में बढ़ते राजनीतिक और सैन्य तनाव के बीच एक राहत भरी खबर सामने आई है। सोकोत्रा द्वीप पर पिछले कई हफ्तों से फंसी भारतीय नागरिक रक्की किशन गोपाल को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है और वे सकुशल भारत लौट आई हैं। यमन स्थित भारतीय मिशन ने जानकारी दी कि 7 जनवरी को एक विशेष यमनिया एयरलाइंस की उड़ान के जरिए उन्हें सोकोत्रा से सऊदी अरब के जेद्दा लाया गया। वहां भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने उन्हें रिसीव किया और इसके बाद उनकी भारत वापसी सुनिश्चित की गई। दरअसल, यमन के कई

हिस्सों में हाल के दिनों में हालात बेहद खराब हो गए हैं। सऊदी अरब समर्थित सरकारी बलों और यूएई समर्थित सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल के बीच संघर्ष तेज हो गया है। इसी वजह से हवाई सेवाएं बाधित हुईं और सैकड़ों विदेशी नागरिक, खासकर पर्यटक, सोकोत्रा द्वीप पर फंस गए। भारतीय मिशन की यह कार्रवाई एक बार फिर यह दिखाती है कि संकट के समय भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। विदेश मंत्रालय और दूतावासों के समन्वय से समय रहते रेस्क्यू संभव हो पाया। यमन में सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय तनाव और अलगाववादी आंदोलनों के चलते स्थिति अभी भी अस्थिर बनी हुई है। ऐसे में वहां मौजूद विदेशी नागरिकों के लिए जोखिम बरकरार है। सोकोत्रा द्वीप यमन के मुख्य भूभाग से करीब 380 किलोमीटर दूर स्थित है और फिलहाल ज्ब के नियंत्रण में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 400 विदेशी पर्यटक उड़ानें रद्द होने के कारण वहां फंसे हुए हैं। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि मुख्य भूमि पर हालात सामान्य होने तक हवाई सेवाएं बहाल करना मुश्किल है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से खौफ में पाकिस्तान, यूएस को पाले में लाने के लिए हर महीने लुटा रहा 50 हजार डॉलर

वॉशिंगटन,एजेंसी। कंगाल पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई की वजह से आवाम रोटी को तरस रही है। इसके बावजूद पाकिस्तान अपने एजेंडे को अमेरिका में आगे बढ़ाने के लिए लाखों डॉलर लुटा रहा है। विदेशी एजेंट पंजीकरण अधिनियम (एफएआरए) के तहत दाखिल दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान खुद को अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही से बचाने की कोशिश में लगा हुआ है। इन दस्तावेजों से साफ है कि बीते साल मई में भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर चलाए जाने के बाद से पाकिस्तान भारी दबाव में है। उसे भविष्य में भी इसी तरह की कार्रवाई की आशंका सता रही है। जिससे बचने के लिए वह अमेरिका को साधने की कोशिश में जुटा हुआ है। अमेरिकी सरकारी दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्लामाबाद ने अपने हवाई अड्डों और आतंकी शिविरों को बचाने के लिए वॉशिंगटन से मदद मांगी थी। एफएआरए दस्तावेजों से पता चलता है कि पाकिस्तान ने लाखों डॉलर के अनुबंध और भुगतान किए हैं। इसके जरिए अमेरिकी कांग्रेस, कार्यपालिका, विचारकों और मीडिया को अपने पाले में करने की कोशिश की जा रही है। दस्तावेजों के मुताबिक जेवलिन एडवाइजर्स एलएलसी को अप्रैल में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने के लिए पंजीकृत किया गया था। यह पहलगाम हमले के ठीक दो दिन बाद 24 अप्रैल, 2025 हुआ था। पाकिस्तान के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए जेवलिन को हर महीने 50,000

डॉलर का मासिक शुल्क दिया जा रहा है। जेवलिन के मुताबिक उसका काम अमेरिकी कार्यकारी शाखा, कांग्रेस और जनता को क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर पाकिस्तान के रुख से अवगत कराना है। इनमें जम्मू और कश्मीर विवाद के साथ पाकिस्तान–भारत रिश्ते भी मुद्दों में शामिल हैं। एक अलग दस्तावेज से पता चला है कि इस्लामाबाद पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट ने अमेरिका में पैरवी और सार्वजनिक नीति प्रचार पर 900,000 डॉलर खर्च किए। यह पाकिस्तान स्थित एक थिंक टैंक है जो राष्ट्रीय सुरक्षा विभाग से जुड़ा है। जानकारी के मुताबिक हाइपरफोकल कम्युनिकेशंस एलएलसी से अमेरिका–पाकिस्तान संबंधों को बेहतर बनाने के मकसद से अमेरिकी सरकार से संपर्क करने के लिए अनुबंध किया गया है।

वेनेजुएला-अमेरिका रिश्तों पर श्अद्वितीय धब्बा, रोड्रिगेज ने वैश्विक आर्थिक जुड़ाव का दिया संदेश

काराकास,एजेंसी। वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि अमेरिका के साथ देश के संबंधों पर अब तक का अद्वितीय धब्बा लग चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि बावजूद इसके, वेनेजुएला वैश्विक स्तर पर अपनी आर्थिक रणनीति को विविधता देने और बड़े बाजारों से सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। स्टेट टेलीविजन टज्ट पर लाइव संबोधन में रोड्रिगेज ने कहा कि अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ श्बहिष्कार नीतिश अपनाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंध असामान्य या असंगत नहीं हैं। उनके अनुसार, वेनेजुएला के निर्यात का 71प्रतिशत आठ देशों में जाता है, जिनमें से 25प्रतिशत अमेरिका को है। रोड्रिगेज ने कहा कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र दोनों को वैश्विक बाजारों में हिस्सेदारी का अवसर मिलेगा। उन्होंने घोषणा की कि वेनेजुएला में उत्पादों को देश का राजदूत बनाया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक–आर्थिक अधिकारों पर नया कानून लाने, मूल्य निर्धारण और ऊर्जा उपयोग को नियंत्रित करने के लिए सुधार करने की योजना बताई।

डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि नारकोटिक्स के आरोप केवल बहाना थे और असली मकसद संसाधनों पर कब्जा करना था। उन्होंने अमेरिका सहित सभी देशों के साथ ऐसे ऊर्जा समझौतों की ओर खुलेपन की बात कही, जिससे सभी पक्षों को लाभ हो। उन्होंने राजनीतिक ध्रुवीकरण के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि सभी राजनीतिक ताकतों को एकजुट होकर देश की शांति और विकास के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चरमपंथ और अतिवादी विचारधाराएँ देश के लिए खतरनाक हैं और इसलिए शांति और राष्ट्रीय सह–अस्तित्व के लिए कार्यक्रम लागू किए जाएंगे। वेनेजुएला की नेशनल असेंबली ने नए विधान सत्र की शुरुआत की और छह प्राथमिक क्षेत्रों को निर्धारित किया, जिनमें शांति, आर्थिक विकास, नागरिक सुरक्षा और नए आर्थिक मॉडल शामिल हैं। संसद नए कानूनों को आठ प्रमुख कानूनी कोड में संकलित करने की योजना बना रही है, जिनमें सिविल, वाणिज्यिक, पर्यावरणीय और चुनावी कोड शामिल हैं। कुछ घंटे पहले, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला अपनी नई तेल व्यवस्था से प्राप्त आय से केवल अमेरिकी उत्पाद खरीदेगा।

अमेरिकी ऑपरेशन में मारे गए वेनेजुएला के सैनिकों को भावपूर्ण विदाई, सात दिन का शोक घोषित

काराकास,एजेंसी। वेनेजुएला की सेना ने बुधवार को राजधानी काराकास में उन सैनिकों के लिए एक भावपूर्ण अंतिम संस्कार आयोजित किया, जो हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन में मारे गए थे। इस अभियान में पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को कब्जे में लिया गया था, जिसके बाद देश में गहरा शोक और तनाव फैल गया है। सैनिक ऑर्केस्ट्रा की धुन के बीच शहीद सैनिकों के डंडे पर लेटे ताबूतों को वेनेजुएला का झंडा ढकता दिखाई दिया। परिवारों और सैनिकों ने उन शवों के पीछे चलकर आखिरी विदाई दी। कई अधिकारियों के बीच ताबूतों को जमीन में समर्पित करते समय गन सैल्यूट भी दिया गया।

वेनेजुएला की सेना ने कहा है कि कम से कम 24 सुरक्षा अधिकारी इस ऑपरेशन में मारे गए, जिनमें कई उच्च रैंक के अधिकारी भी शामिल हैं। वहीं, क्यूबा ने भी पुष्टि की है कि 32 क्यूबाई सैन्य और पुलिस कर्मी जो वेनेजुएला में तैनात थे, उनकी भी मौत हुई। इस फैसले के बाद क्यूबा में भी दो दिनों का शोक मनाया गया। शहीदों के सम्मान में कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने सात दिन का शोक घोषित किया है।

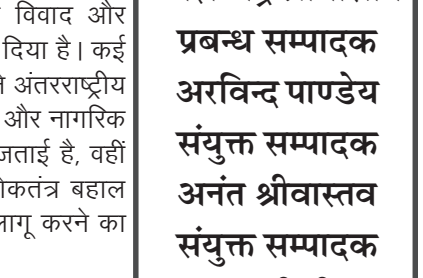

उन्होंने कहा कि देश इन वीरों के बलिदान को कभी नहीं भूलेगा और उनके परिवारों के साथ खड़ा रहेगा। वेनेजुएला के अटॉर्नी जनरल तारेक विलियम साब ने कहा कि इन मौतों की जांच युद्ध अपराध के दायरे में की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अमेरिका ने मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस पर नशे के खिलाफ आरोपों के तहत मामला चलाने के लिए उन्हें हिरासत में लिया गया था और मादुरो ने अमेरिकी अदालत में अपना दावा उत्तरदायी नहीं बताया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस ऑपरेशन ने गंभीर विवाद और आलोचना को जन्म दिया है। कई देश और संगठनों ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन और नागरिक हताहतों पर चिंता जताई है, वहीं अमेरिका ने इसे लोकतंत्र बहाल करने और कानून लागू करने का कदम बताया है।

साल्ट लेक सिटी में मॉर्मन चर्च की पार्किंग में गोलीबारी, दो लोगों की मौत, हमलावर फरार

साल्ट लेक सिटी,एजेंसी। अमेरिका के यूटा की साल्ट लेक सिटी में एक चर्च के बाहर हुई गोलीबारी में बुधवार को दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। गोलीबारी की घटना द चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर–डे सेंट्स (जिसे आमतौर पर मॉर्मन चर्च के नाम से जाना जाता है) के एक सभा भवन के पार्किंग स्थल में हुई। जानकारी के अनुसार जिस समय यह गोलीबारी की घटना हुई, उस समय अंदर एक अंतिम संस्कार हो रहा था। एपी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी भी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है।

पुलिस ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि हमलावर का किसी विशेष धर्म के प्रति कोई द्वेष था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।